श्रावण कृष्ण पक्ष 2 संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 09 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 जुलाई 2025 शनिवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सीएम ने ट्रांसफर की लाडली बहना समेत तीन योजनाओं की राशि

महिलाओं के खातों में पहुंच रहे 1500 करोड़, रक्षाबंधन का 'शगुन' बाद में

भोपाल दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उज्जैन में महाकाल मंदिर में पूजा अर्चना के बाद समीप ग्राम नलवा में समारोहपूर्वक लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और गैस सिलेंडर उज्जवला योजना के हितग्राहियों के खातों में जुलाई माह की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित कर रहे हैं। यह लाडली बहना योजना की 26वीं किस्त है। जबकि एक अन्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन में हिस्सा लेकर मछुआ कल्याण के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं हितलाभ का वितरण भी किया। यह कुल 152 करोड़ से अधिक के विकास कार्य बताए जाते हैं।

सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत एक करोड़ 27 लाख महिलाओं को 1503 करोड़ रूपये खातों में अंतरित की है। उल्लेखनीय है कि सीएम ने अगस्त महीने में रक्षाबंधन त्योहार के मद्देनजर महिलाओं को 1500 रूपये की राशि देने का ऐलान पिछले दिनों किया था। इसलिए आज की किश्त बहुत खास हो गई है। हालांकि माना जा रहा था कि इस बार रक्षाबंधन के शगुन के 250 रुपये भी अलग से आएंगे, लेकिन अब यह कहा जा रहा है कि खाते में 1500 नहीं बल्कि 1250 रुपये ही आएंगे तथा रक्षाबंधन के शगुन का पैसा ढाई सौ रूपये अगस्त महीने में राखी के पहले खाते में आएगा। अभी सरकार महिलाओं को 1250 रूपये हर महीने देती रही है। इसके अलावा समारोह में मुख्यमंत्री ने 56 लाख 74 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़, 30 लाख से अधिक महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफलिंग की 46 करोड़ 34 लाख की राशि भी सिंगल क्लिक से ट्रांसफर कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने महाकालेश्वर समिति द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान का आज सूबह शुभारंभ किया।

अगस्त में 2 बार आएंगे पैसे !

आगामी महीने अगस्त में लाभार्थियों के खाते में 2 बार पैसा आ सकता है। दरअसल रक्षाबंधन 9 अगस्त को है, तो संभावना जताई जा रही है कि उससे पहले एक कार्यक्रम में रक्षाबंधन के 250 रुपये का शगुन महिलाओं के खाते में भेज दिया जाए। इसके बाद यानि 15 अगस्त के आसपास लाडली बहना योजना की नियमित 27वीं किस्त के 1250 रुपये अलग से खातों में आएं। इस तरह से अगस्त में महिलाओं के खाते में 1500 रुपये खाते में पहुंचेंगे। इसके बाद सितंबर में 1250 रुपये ही मिलेंगे। लेकिन सरकार की मंशा के मुताबिक अक्टूबर से हर महीने महिलाओं को 1500 रुपये मिलने शुरू हो जाएंगे। हालांकि नए पंजीयन को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हैं।

रोजगार मेला: मोदी ने 51 हजार युवाओं को जॉब लेटर दिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रोजगार मेला में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बांटें। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा कि युवाओं का सामर्थ्य हमारे भारत के भविष्य के लिए सबसे बड़ी पूंजी और गारंटी है। हमारी सरकार इस पूंजी को समृद्धि का सूत्र बनाने में जुटी है। मोदी बोले कि दो दिन पहले ही 5 देशों की यात्रा से लौटा हूं। हर देश में भारत की युवा शक्ति की गूंज सुनाई दी। इस दौरान जो भी समझौते हुए हैं, उनसे युवाओं को फायदा होना ही है। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 47 स्थानों पर किया गया। गौरतलब है कि पिछला रोजगार मेला 26 अप्रैल को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 9.73 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है।

बिहार में नीतीश का मुफ्त बिजली बांटने का मंसूबा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के करीब आने के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का फोकस भी मुफ्त योजनाओं और मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने पर शिफ्ट होता नजर आ रहा है। महिला आरक्षण और पेंशन बढ़ाने जैसे फैसलों के बाद अब उनकी तैयारी राज्य के लोगों को 100 यूनिट्स तक फ्री बिजली देने की है। इस प्रस्ताव को वित्त विभाग की मंजूरी मिल गई है, अब कैबिनेट की मुहर बाकी है। फ्री बिजली योजना का फायदा राज्य के लाखों परिवार को मिलेगा।

केरल में निपाह को रोकने के लिए कई रणनीतियां तैयार

तिरुवनंतपुरम। केरल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मु य सचिव डॉ. राजन खोबरागड़े ने कहा कि निपाह के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने रोकथाम के लिए कई रणनीतियां तैयार की हैं और उन्हें लागू किया है। डॉ. खोबरागड़े ने कल यहां आयोजित 'निपाह और अन्य जूनोटिक स्पिलओवर - रोकथाम के लिए स्वास्थ्य रणनीतियों का एकीकरण' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय स मेलन का उद्घाटन करते हुए ये टिप्पणियां कीं और सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। जंगली जानवरों से मनुष्यों में रोगजनकों के संचरण को 'जूनोटिक स्पिलओवर' कहा जाता है। उन्होंने 2019 से राज्य को प्रभावित करने वाली महामारियों का पता लगाने एवं उनकी रोकथाम करने के राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए वर्तमान परिदृश्य में 'वन हेल्थ' अवधारणा के महत्व पर प्रकाश डाला और राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए उन्नत वायरोलॉजी संस्थान जैसे संस्थानों से सहयोग मांगा।

दिल्ली में इमारत ढही, मलबे में लोगों की तलाश

नई दिल्ली। केंद्रीय राजधानी के वेलकम इलाके में आज सुबह चार मंजिला इमारत ढहने से अफरातफरी मची हुई है। इस बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था। हादसे में 14 महीने के बच्चे समेत आठ लोग घायल हैं। अभी भी मलबे में तीन-चार लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बताया जाता है ?कि सुबह 7 बजे सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में एक इमारत गिर गई। फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद दोनों परिवारों में भी तनाव बढ़ा

सोनम के गहने लौटाए मगर कैश वापस लेने से इंकार किया

इंदौर एजेंसी

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के शिलांग में मर्डर मामले में पत्नी सोनम का हाथ सामने आने के बाद दोनों परिवारों के बीच बढती तकरारों के बीच अब राजा के परिजन ने सोनम के परिवार से वो गहने वापस मांगे हैं जो उन्होंने शादी में अपनी बहू को उपहार में दिए, सोनम के परिवार ने भी रघुवंशी समाज और पुलिस की मौजूदगी में वो तमाम गहने लौटा दिए। खबरों के मुताबिक सोनम के पिता ने बेटी को दिया हुआ दहेज और कैश वापस लेने से इनकार कर दिया है।उनका कहना है कि बेटी को दिया दान वापस नहीं लेंगे। हालांकि, वे ये भी कहते हैं कि जब तक मैं सोनम से मिलकर पूछ नहीं लूंगा, तब तक यह मानने तैयार नहीं हूं कि मेरी बेटी ने ही अपने पति की हत्या करवाई है। उल्लेखनीय है कि 20 मई को राजा और सोनम हनीमून के लिए मेघालय के शिलॉन्ग गए थे, जहां 23 मई को सोनम ने राजा की हत्या करवा दी थी। 2 जून को राजा की लाश मिलने के एक हफ्ते बाद सोनम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तब से लेकर अब तक पुलिस सोनम को दो बार रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है, अब वह जेल में है।

भोपाल : सिक्योरिटी गार्ड ने 12 बोर की बंदूक से खुद को गोली मारी

भोपाल दोपहर मेट्रो। राजधानी के टीटी नगर क्षेत्र के चक्की चौराहा पर एक सिक्योरिटी गार्ड ने 12 बोर की बंदूक से खुद को गोली मार ली। उसने अपने चेस्ट को गन प्वाइंट पर लेकर ट्रिगर दबा दिया। रात करीब एक बजे की इस घयना पर पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह पति-पत्नी में विवाद मानी जा रही है। पुलिस के अनुसार 40 साल का बालचंद सोंधिया चक्की चौराहा टीटी नगर में रहता था और कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड था। उसकी नौकरी पाएगा कॉलोनी में चल रही थी। शुक्रवार रात वह घर पर पत्नी और बच्चों के साथ था। इसी बीच पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर बालचंद ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। कुछ देर बाद कमरे से धमाके की आवाज आई। किसी तरह कमरा खोला गया तो बालचंद खून से लथपथ नजर आया। परिजन उसे उठाकर अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राजधानी में आधी रात के बाद घटना, शराब के नशे में पत्नी से आए दिन होता था विवाद

पुलिस अब कई एंगल पर कर रही जांच

हत्या की वजह टेनिस अकादमी या कुछ और !

गुरुग्राम एजेंसी। अपने ही पिता के हाथों मारी गई युवा टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव को लेकर अब एक और नई बात सामने आई है। राधिका एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनना चाहती थी और वह अपने गांव के ही एक लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर एल्विश यादव से प्रेरित थी। पुलिस के मुताबिक राधिका के पिता दीपक यादव ने उसकी टेनिस ट्रेनिंग पर 2.5 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए थे। हालांकि मानसिक तनाव और सामाजिक दबाव के कारण दीपक ने अपनी बेटी को गोली मारी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राधिका ने अपने पिता को भरोसा दिया था कि वह उनकी मेहनत को व्यर्थ नहीं जाने देगी। चोट के कारण टेनिस से बाहर होने के बाद उसने अपने पिता से कहा था कि पापा, मेरे दिमाग में काफी कंटेंट है। मैंने काफी खेल लिया है, अब मैं पैसे कमाऊंगी। बताया जाता है कि राधिका अक्सर रील शूट करते समय अपनी मां को साथ ले जाती थीं।

अहमदाबाद प्लेन क्रेश : प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक

दोनों इंजन बंद हो गए, पायलट ने पूछा- आपने फ्यूल क्यों बंद किया...!

नई दिल्ली एजेंसी

अहमदाबाद प्लेन क्रेश के एक महीने बाद अब शुरुआती जांच रिपोर्ट को आज एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानि एएआईबी ने सार्वजनिक कर दिया। 15 पेज की रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हुआ था। टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए। इस दौरान कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। उल्लेखनीय है कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली। इस समय तक रिपोर्ट में बोइंग विमान और GE GEn&-vB इंजन को लेकर किसी ऑपरेटर के लिए कोई चेतावनी या कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है। साथ ही रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं है। बताया जाता है कि् उड़ान भरने के ठीक बाद दोनों इंजन के फ्यूल कटऑफ स्विच 'RUN' से 'CUTOFF' स्थिति में आ गए। वो भी सिर्फ एक सेकंड के अंतराल में। इसके बाद दोनों इंजनों की थ्रस्ट क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई।

कॉकपिट में चौंकाने वाली बातचीत के संकेत!

दरअसल हादसे से कुछ ही सेकंड पहले पायलटों के बीच बातचीत कि आपने फ्यूल क्यों बंद किया? इस पर दूसरे पायलट से जवाब मिला, मैंने ऐसा नहीं किया यह संवाद तकनीकी खराबी या मानवीय भ्रम की ओर इशारा करता है। टेकऑफ के कुछ ही पलों बाद सीसीटीवी में देखा गया कि इमरजेंसी पावर सप्लाई सिस्टम सक्रिय हो गया और यह तभी होता है जब इंजन बंद हो जाएं।

मेट्रो एंकर

45 जिलों में बारिश का अलर्ट

बारिश बनी आफत, चित्रकूट में घाट डूबे 10 जिलों में बाढ़ के हालात

भोपाल/ जबलपुर दोपहर मेट्रो

इन दिनों मप्र में बारिश अब आफत बनती जा रही है। मंडला में बाढ़ से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। सिवनी, छतरपुर समेत 10 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हो गये हैं। आज भी सभी जिलों में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट है उधर चित्रकूट में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश से मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। इसके चलते रामघाट, भरतघाट सहित सभी प्रमुख घाट जलमग्न हो गए हैं। घरों-दुकानों में भी पानी घुस रहा है। सिवनी में 9 घंटे में ही साढ़े 6 इंच पानी गिर गया। 20 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने शनिवार को 10 जिलों में अति भारी और 35 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से तेज बारिश का दौर जारी है। इस मानसूनी सीजन में अब तक करीब 16 इंच बारिश हो चुकी है। पूर्वी हिस्से में सबसे ज्यादा असर है।

राजस्थान से लेकर राजस्थान में भी इस बार मानसून जमकर बरस रहा है। बीकानेर, झुंझुनूं सहित 13 जिलों में 4 इंच तक बरसात हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। श्रीमाधोपुर में दुकानों में पानी घुस गया। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा। उत्तराखंड में लैंडस्लाइड में दबने से 57 साल की महिला की मौत हो गई। राज्य में आज भी तेज बारिश-लैंडस्लाइड का अलर्ट है। हिमाचल में 184 सड़कें बंद हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने आज यूपी, छत्तीसगढ़, गुजरात समेत देश के 19 राज्यों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में बारिश को कोई भी अलर्ट नहीं है।

वरिष्ठ भाकपा नेता डोड्डा नारायण राव का निधन

हैदराबाद। वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय क युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता डोड्डा नारायण राव का शुक्रवार रात हैदराबाद स्थित उनके आवास पर निधन हो गया है। वह 96 वर्ष थे। वरिष्ठ भाकपा नेता डॉ. के. नारायण ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए श्री राव को एक सिद्धांतवादी नेता बताया जो जीवन भर अपनी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने याद किया कि वयोवृद्ध राव ने 1940 के दशक में निज़ाम शासन के विरुद्ध लड़ते हुए स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभायी थी। उन्होंने कहा कि श्री राव ने भाकपा के नलगोंडा जिला सचिव और जिला किसान संघ के महासचिव के रूप में सेवा दी थी। डॉ. नारायण ने जनसेवा और क युनिस्ट आंदोलन के प्रति उनके आजीवन समर्पण की प्रशंसा की।

बाबा महाकाल की शरण में सपत्निक डॉ मोहन यादव, भस्म आरती में हुए शामिल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सावन माह के दूसरे दिन उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए। सीएम अपनी पत्नी सीमा यादव के साथ बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे, जहां उन्होंने गर्भगृह में प्रवेश कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान वे भस्म आरती में शामिल हुए और बाबा महाकाल का जलाभिषेक कर आरती उतारी। पूजन के बाद सीएम ने नंदी हॉल में ध्यान लगाया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल की असीम कृपा से ही मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। मैं बाबा से प्रार्थना करता हूं कि हमारा प्रदेश आत्मनिर्भरता, रोजगार, शिक्षा और आध्यात्म के मार्ग पर सतत आगे बढ़ता रहे। सीएम यादव ने यह भी कहा कि सावन महाकाल की कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम समय होता है, और इस पवित्र माह में किया गया संकल्प निश्चित ही जनकल्याण में परिणत होता है।

विभागों में कितने पद खाली, कितनों पर हुई भर्ती इसका देना होगा पालन प्रतिवेदन

भर्ती में देरी: सीएम की नाराजगी से विभागों में हलचल, आला अफसर कर रहे समीक्षा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

युवाओं को नौकरी देने में पिछड़ रहे अफसरों की सीएम डॉ. मोहन यादव ने बीते दिनों जमकर क्लास ली। इसका असर विभागों पर नजर आ रहा है। दरअसल सीएम ने सीएस से पूछा कि कितने पदों पर भर्ती होनी है, कितने पदों पर अब तक कर चुके हैं और आगे की क्या योजना है। इन सवालों के जवाब मिले तो सीएम नाराज हो गए। कहा कि इतनी कम रफ्तार से काम होगा तो खाली पदों को तेजी से भर नहीं पाएंगे, जो नए पद स्वीकृत किए जा रहे हैं, उन पर भी भर्तियां आसानी से नहीं होंगी। यह गति बढ़नी चाहिए।

सीएम ने सीएस अनुराग जैन व सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल को निर्देशित किया कि भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करें और विभागों से प्रतिवेदन लें। पूछे कि खाली पदों में से कितने भर गए और जो खाली है उन्हें भरने के लिए किए जा रहे कामों की गति क्या है। इतना ही नहीं, सीएम ने दोहराया कि नए व पुराने खाली

पदों पर भर्ती प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें। यह बैठक सीएम हाउस में शाम को बुलाई थी, जिसमें अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, सचिव मुख्यमंत्री सिबि चक्रवर्ती व अन्य अफसर मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि सीएम सार्वजनिक मंचों से कह चुके हैं कि भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाएंगे। इसके लिए कई तरह के पदों के लिए मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन मंडल के द्वारा ली जाने वाली अलग-अलग परीक्षाओं को एक साथ कराएंगे। दूसरी तरफ सीएम एके के बाद एक विभागों में नए पदों को मंजूरी दे रहे हैं। पहले स्वास्थ्य विभाग को 40 हजार से ज्यादा पद दिए। अब बिजली कंपनियों में 49 हजार 263 नए पदों को स्वीकृति दिलाई। उसके पूर्व मऊगंज, पांढुर्णा, मैहर जैसे नए जिलों में सरकारी सेटअप और नए आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए सुपरवाइजर, कार्यकर्ता, सहायिकाओं के हजारों पद स्वीकृत किए। जानकारों का कहना है कि जिस तेजी से पद स्वीकृत किए जा रहे, अफसर उस तेजी से युवाओं को नौकरी नहीं दे पा रहे। अधिकारियों की माने तो एक लाख से अधिक नए और पूर्व के खाली करीब 1 लाख हजार पदों में दो वर्षों में गिने-चुने पदों पर ही भर्तियां हुई हैं। बाकी को भरे जाने की प्रक्रिया चल रही है।

ये हो सकती है भर्ती में देरी की वजह

माना जा रहा है कि संबंधित विभाग खाली होने वाले पदों की जानकारी तय समय में नहीं भेजते। नियमित पदों पर अधिकारी, कर्मचारियों की कमी का लाभ कुछ अफसर आउटसोर्स कंपनियों से सांठगांठ कर उठा रहे हैं। ये काम प्रभावित होने का हवाला देकर नियमित पदों का काम आउटसोर्स के जरिए रखे जाने वाले अधिकारी कर्मचारियों से ले रहे हैं। कई आउटसोर्स कंपनियां सुविधा शुल्क लेने के साथ-साथ कर्मचारियों के हिस्से से भी राशि मार खाती हैं। जिन पदों के लिए भर्ती की अर्जी कर्मचारी चयन मंडल को भेजी जाती है, मंडल उसमें एक-एक साल तक का समय लगा रहा है।

निगम मंडलों में सबसे पहले नियुक्तियां

सीएम के विदेश से लौटते ही सत्ता व संगठन में होगी बदलाव की शुरुआत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सीएम डॉ. मोहन यादव के विदेश से लौटते ही सत्ता व संगठन के स्तर पर बदलाव शुरू होंगे। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह जिम्मा नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को मिला है। सूत्रों के मुताबिक वे ही सीएम के सामने बदलाव के ब्लूप्रिंट को रखेंगे। जिस पर भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व से चर्चा होगी और उसके बाद बदलाव को अमल में लाया जाएगा। चर्चा है कि सबसे पहले निगम मंडलों में नियुक्ति की प्रक्रिया बढ़ाई जाएगी। साथ-साथ प्रदेश भाजपा के कुछ मोर्चा अध्यक्षों व अन्य स्तर पर भी बदलाव किए जा सकते हैं।

नियुक्त किए जाने वाले निगम मंडलों के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों को लेकर बड़ी स्पर्धा के संकेत है। इसकी कई वजह है। पूर्व से जो नाम चल रहे थे, वे पुराने नेतृत्व की पसंद थे। अब प्रदेश भाजपा में नया नेतृत्व आ गया है। जिसके बाद नामों में नए सिरे और नई प्राथमिकताओं के साथ मंथन होगा। इसी आधार पर निर्णय भी लिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव के लिए जुटे वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी इस विषय पर कुछ अलग-अलग चर्चा हो चुकी है। माना जा रहा है कि जिनकी जैसी मेहनत व लगन, उन्हें उस तरह की जिम्मेदारी दी जा सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि अब इस स्तर पर की जाने वाली नियुक्तियों को लेकर ज्यादा इंतजार कराया तो मामला बिगड़ सकता है क्योंकि कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों ने पार्टी को दो बड़े चुनाव जिताने में कोई कसर नहीं छोड़ी। विधानसभा चुनाव को कुछ समय बाद दो साल पूरे हो जाएंगे तो लोकसभा चुनाव को भी एक वर्ष

किसान व ओबीसी प्रदेश मोर्चा को मिल सकता है नया मुखिया

भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा, किसान मोर्चा और ओबीसी मोर्चा के मुखिया को बदले जाने की चर्चा है। अभी महिला मोर्चा की कमान माया नारोलिया के पास है जो राज्यसभा सांसद है। जबकि किसान मोर्चा के अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी हैं, जो कि नर्मदापुरम से सांसद है तो वहीं ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा है जो कि मोहन कैबिनेट में मंत्री भी है। सूत्रों के मुताबिक ये तीनों ही प्रमुख पदों और व्यस्तताओं के चलते मोर्चा पदाधिकारियों के लिए अलग लाइन नहीं खींच पा रहे हैं, जिन्हें बदला जा सकता है। इसके अलावा भी प्रदेश भाजपा में कई स्तर पर बदलाव किए जाने प्रस्तावित है।

सीमेट से एक हजार 488 और एमसीए में एक हजार 371 विद्यार्थियों ने कराए थे पंजीयन

तकनीकी शिक्षा: प्रथम चरण की एमबीए और एमसीए सीटों का हुआ आवंटन, 14 जुलाई तक ले सकेंगे प्रवेश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रथम चरण की एमबीए और एमसीए सीटों का आवंटन कर दिया है। प्रथम चरण में एमबीए में सीमैट से एक हजार 488 और एमसीए में एक हजार 371 विद्यार्थियों ने प्रवेश लेने के लिए पंजीयन कराए थे। उनकी च्वाइस फिलिंग के बाद विभाग ने मेरिट सूची जारी की थी। विभाग ने एमबीए के 148 कॉलेज की 28 हजार 770 सीटों के लिए एक हजार 332 विद्यार्थियों का अलॉटमेंट किया है। इसी तरह एमसीए के 48 कॉलेजों की चार हजार 345 सीटों के लिए एक हजार 92 विद्यार्थियों का अलॉटमेंट किया है। विद्यार्थी 14 जुलाई तक संस्था में दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं।

द्वितीय चरण के पंजीयन आज से होंगे शुरू- द्वितीय चरण की काउंसलिंग में स्नातक स्तर पर पंजीयन किए जाएंगे। इसमें विद्यार्थी 10 से 19 जुलाई तक पंजीयन करा पाएंगे। पंजीयन में सुधार

21 से 23 जुलाई तक होगा। 24 जुलाई को मेरिट लिस्ट जारी होगी। 28 जुलाई को आवंटन होगा। विद्यार्थी एक अगस्त तक दस्तावेजों का सत्यापन कराकर प्रवेश ले पाएंगे। इसके बाद तीन सीएलसी 2 से 14 अगस्त तक होंगी।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश का आज अंतिम दिन: प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में 8 हजार 883 विद्यार्थियों के अपग्रेडेशन के तहत अलॉटमेंट जारी किए गए हैं। गुरुवार तक विद्यार्थी फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। इसके बाद विभाग दूसरे राउंड के तहत 12 जुलाई के 12वीं के आधार पर पंजीयन कराएगा। 13 और 14 जुलाई को पंजीयन में सुधार हो सकेगा। विद्यार्थी 16 जुलाई तक च्वाइस फिलिंग कर पाएंगे। विभाग 17 को मेरिट जारी कर 21 जुलाई को आवंटन करेगा। विद्यार्थी 25 जुलाई तक शाम पांच बजे तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

कल बीसीए और बीबीए का आवंटन

प्रदेश के 200 बीबीए और बीसीए कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए करीब 13 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। विभाग शुक्रवार को उनके अलॉटमेंट जारी करेगा। इसमें बीबीए में छह हजार 540 और बीसीए में तीन हजार विद्यार्थियों की च्वाइस फिलिंग हुई थी। विद्यार्थी 16 जुलाई तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति में सामने आई हकीकत

पीएम स्वनिधि के 19 हजार प्रकरण अटकाए, संबंधित बैंकों को नोटिस

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के 19 हजार 196 प्रकरण अटके हैं। ये संबंधित बैंकों ने अटका रखे हैं। इस वजह से संबंधित हितग्राहियों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। सीएस अनुराग जैन के सामने यह मामला गुरुवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में आया। जिस पर उन्होंने पूछताछ की और अफसरों को निर्देश दिए कि संबंधित बैंकों के प्रमुखों को नोटिस दें। जवाब मिलने के बाद इन्हें कार्रवाई के दायरे में लें।

सीएस ने संबंधितों को पीएम स्वनिधि योजना के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। यह भी कहा कि इन 15 दिनों में प्रकरणों को निपटाकर पालन

प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। वित्त विभाग से कहा है कि विभिन्न योजनाओं में इंश्योरंस क्लेम की जानकारी देने वित्तीय जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि लोगों को उनके अधिकारों के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारियां मिल सकें। बैठक में अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य अनुपम राजन, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश राघवेंद्र कुमार सिंह, प्रमुख सचिव राजस्व विवेक कुमार पोरवाल एवं बैंकों के मुख्य महाप्रबंधक, प्रबंधक एवं निदेशक शामिल थे।

सीएस ने इन योजना से जुड़े कामों की समीक्षा की

बैठक में 192वीं व 193वीं बैठक का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बैंक बिजनेस, क्रेडिट प्लान, प्रदेश में नवीन बैंक शाखाओं की स्थिति, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम विश्वकर्मा स्कीम के अलावा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन में शिक्षा के साथ संस्कारों पर जोर

संतनगर। भारत विकास परिषद की संतनगर शाखा ने संस्कार स्कूल में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें स्कूल की शिक्षिकाओं और बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि ÷जिससे हमें ज्ञान प्राप्त होता है, जो भी हमें किसी भी प्रकार की शिक्षा देता है, जहां से भी हमें कुछ सीखने को मिलता है, वह हमारा गुरु होता है।÷ भारत विकास परिषद के प्रचार मंत्री गुलाब जेठानी ने परिषद के सेवा, संस्कार और समर्पण के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। परिषद के उपाध्यक्ष, मोहन लालवानी ने कहा कि ÷आपके विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिए जाते हैं, इसका उदाहरण हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करना है। कार्यक्रम में प्राचार्य आर.के. मिश्रा, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित थे।

रोगी कल्याण समिति | **नए भवन के लोकार्पण की अगस्त में संभावना, सीसीटीवी की निगरानी होगी और सख्त**

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और स्टाफ बढ़ाने का प्रस्ताव

संतनगर, भोपाल।

सिविल अस्पताल संतनगर की रोगी कल्याण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विधायक रामेश्वर शर्मा ने की। बैठक में अस्पताल के नवीन भवन के लोकार्पण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और सुविधाओं के विस्तार से संबंधित कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में अस्पताल के नए भवन के लोकार्पण पर विस्तार से चर्चा हुई। बताया गया कि भवन अगस्त माह तक बनकर तैयार हो जाएगा, जिसके बाद मरीजों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। निर्माण कार्य पूरा होते ही लोकार्पण की तारीख तय की जाएगी।

रोज अल्ट्रासाउंड का प्रस्ताव- गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों के लिए प्रतिदिन अल्ट्रासाउंड जांच सुनिश्चित करने हेतु एक सोनोलॉजिस्ट (डॉक्टर) की

नियमित व्यवस्था पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त, भर्ती मरीजों के लिए अस्पताल परिसर में किचन का निर्माण और मरीजों के परिजनों व स्टाफ के लिए जलपान गृह (कैंटीन) बनाने का भी निर्णय लिया गया।

नवीन चिकित्सालय भवन में साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने हेतु कुल 30 अतिरिक्त कर्मचारियों (08 साफ-सफाई कर्मी, 06 सुरक्षा गार्ड, 02 फार्मासिस्ट, 03 डाटा एंट्री ऑपरेटर, 01 माली, 02 ड्राइवर, 02 इलेक्ट्रीशियन, 06 लिफ्टकर्मी) को नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। यह सभी निर्णय अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

दिव्यांगों के लिए विशेष काउंटर- चिकित्सालय के दवा वितरण केंद्र में दिव्यांगों और अक्षम व्यक्तियों को दवा वितरण के लिए एक अलग काउंटर बनाने और उसकी मरम्मत/दुरूस्तीकरण का कार्य करवाने पर जोर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए वर्तमान चिकित्सालय भवन में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने, रिकॉर्डिंग हेतु डीवीआर स्टोरेज को अपग्रेड करने और नवीन भवन में नए सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। अस्पताल परिसर में औषधीय पौधों का गार्डन विकसित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, औषधियों और सामग्री के सुरक्षित तथा शासन के निर्देशानुसार भंडारण हेतु एक स्थायी भंडार गृह का निर्माण करने पर भी सहमति बनी।

विश्राम गृह और आवश्यक उपकरण

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए अस्पताल परिसर में विश्राम गृह के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। चिकित्सालय की वार्षिक आवश्यकता की पूर्ति हेतु 3000 नग कलर कोडेड बेडशीट खरीदने और साफ-सफाई के लिए एक फ्लोर क्लीनिंग मशीन खरीदने का भी प्रस्ताव रखा गया।

पर्यावरण संरक्षण की पहल- अस्पताल में नल कनेक्शन लगवाने के प्रस्ताव के साथ-साथ, चिकित्सालय के वर्तमान भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम होगा।

लोकार्पण जल्द होगा

बहनों के
हौसले की
मजबूत डोर
खुशियां हर ओर
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
1.27 करोड़
लाड़ली बहनों को
26वीं किस्त के
₹ 1543.16 करोड़
56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा
पेंशन हितग्राहियों को
₹ 340 करोड़
30 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर
रीफिलिंग राशि ₹46.34 करोड़
का सिंगल क्लिक से अंतरण
अपराह्न 2:30 बजे । ग्राम पंचायत नलवा, जिला उज्जैन
राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन
मछुआ कल्याण के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं
हितलाभ वितरण
अपराह्न 1:00 बजे । मुक्ताकाशी मंच, कालिदास अकादमी, उज्जैन
12 जुलाई 2025
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
D-11064/25

संपादकीय

तंत्र की लापरवाही का नमूना

सरकारी तंत्र की हिम्मत की दाद दी जानी चाहिये कि वह जानलेवा खतरो को भी आसानी से नरजअंदाज कर देता है और जब हादसे हो जाते हैं तो इतने सारे तर्क और तकनीकी मसले उलझा देता है कि बात बाद में आई-गई हो जाती है। जबकि किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटना दोबारा न हो। किसी बड़े हादसे से लोगों के बीच उपजा आक्रोश सरकार को खासी मुश्किलें देता है। अब गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढह जाने और उससे हुए जानमाल के नुकसान की घटना सरकारी तंत्र की इसी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता का सबूत है। वडोदरा में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले व्यस्त पुल का एक हिस्सा अचानक ढह जाना बेहद गंभीर घटना है। इसकी चपेट में कई वाहन आए और टूटते पुल से महिसागर नदी में गिर गए। खबरों के मुताबिक, इसमें कम से कम सोलह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना को भी किसी आम हादसे की तरह देखा जाएगा, मरने और घायल होने वालों के लिए मुआवजे की घोषणा और जांच का आश्वासन जारी कर दिया जाएगा। ऐसा हो भी रहा है। मगर आमतौर पर ऐसी घोषणाओं के बाद सरकारी रवैया कुछ ही दिन में फिर अपने पुराने ढर्रे पर लौट जाता है। यह समझना मुश्किल है कि जिस पुल के जर्जर होने और हादसे का शिकार होने की आशंका से जुड़ी खबरें आ चुकी थीं, उस पर यातायात को रोकने और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई। यह बेवजह नहीं है कि अब ऐसे सवाल तीखे रूप में उठाए जा रहे हैं कि गुजरात में इस तरह के खराब गुणवत्ता वाले जानलेवा पुल के बनने और भरभरा कर ढहने का संबंध सरकार के किन-किन महकमों और उसके कर्ता-धर्ता से जुड़ा है और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। जिस राज्य के विकास को देश भर में उदाहरण के रूप में पेश किया जाता है, वहां सिर्फ चालीस साल पहले बना पुल इस हालत में पहुंच जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या ऐसे लोगों की पड़ताल कर उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा? दरअसल, वडोदरा में पुल गिरने की घटना देशभर में ऐसे हादसों की महज एक कड़ी है। खुद गुजरात में भी ऐसा हादसे पहले हुए हैं। तीन साल पहले गुजरात के मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना एक पुल नदी में गिर गया था, जिसमें एक सौ पैंतीस लोगों की जान चली गई थी। तब खबर आई थी कि सरकार ने सभी पुलों को मजबूती से जांचने और रखरखाव पुख्ता करने का दावा किया है। मगर पुल ढहने की ताजा घटना से सरकारी दावों की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। आमतौर पर किसी भी पुल के बनने के वक्त ही उसकी कुल आयु और रखरखाव के बारे में बता दिया जाता है। अगर कोई पुल किन्हीं वजहों से जोखिम की हालत में होता है तो उसे बंद कर दिया जाता है या ठोस तरीके से उसकी मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण किया जाता है। विडंबना यह है कि वडोदरा के जर्जर पुल के जोखिम की आशंका जताए जाने के बावजूद कोई सावधानी नहीं बरती गई। अब सरकार को यह बताने की जरूरत है कि अगर आशंकाओं की जानबूझ कर अनदेखी नहीं की गई तो पुल की हालत के प्रति व्यापक लापरवाही की जवाबदेही किसकी है।

दुनिया में जो इतनी बुराई फैली हुई है उसका दोष केबल बुरा काम करने वालों पर ही नहीं है बल्कि दोष उन अच्छे आदमियों का भी है जो बुरे काम करने वालों की खुशामद करने और उन्हें खुश करने के लिए सदा तैयार रहते हैं।

- लुई फिशर

आज का इतिहास

- 1290: इंग्लैंड के सम्राट एडवर्ड प्रथम के आदेश पर यहूदियों को देश से बाहर निकाला गया।
- 1346: लक्जमबर्ग के चार्ल्स चतुर्थ को रोमन साम्राज्य का शासक नियुक्त किया गया।
- 1673: नीदरलैंड और डेनमार्क के बीच रक्षा संधि पर हस्ताक्षर।
- 1690: विलियम ऑफ ऑरेंज के नेतृत्व में प्रोटेस्टेंटों ने रोमन कैथोलिक सेना को पराजित किया।
- 1801: अल्जीसिरास की लड़ाई में ब्रिटेन ने फ्रांस और स्पेन को पराजित किया।
- 1823: भारत में निर्मित प्रथम वाष्प इंजन युक्त जहाज डायना का कलकत्ता (अब कोलकाता) में जलावतरण।
- 1862: अमेरिकी कांग्रेस ने मेडल ऑफ ऑनर को प्राधिकृत किया।
- 1912: क्वीन एलिजाबेथअमेरिका में प्रदर्शित होने वाली पहली विदेशी फिल्म बनी।
- 1918: टोकायाम की खाड़ी में जापानी युद्धपोत में विस्फोट में 500 लोगों की मौत।
- 1935: बेल्जियम ने तत्कालीन सोवियत संघ को मान्यता दी।
- 1949: महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबंध को सशर्त हटाया गया।
- 1957: अमेरिकी सर्जन लेरोय इ बर्नी ने बताया कि धूम्रपान और फेफड़े के कैंसर में सीधा संबंध होता है।
- 1960: भागलपुर और रांची यूनिवर्सिटी की स्थापना।
- 1970: अलकनंदा नदी में आई भीषण बाढ़ ने 600 लोगों की जान ली।
- 1990 : प्रसिद्ध सोवियत नेता और रूसी संसद के अध्यक्ष बोरिस येल्तसिन ने सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दिया।
- 1994: फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन के अध्यक्ष यासर अराफात 27 वर्ष का निर्वासित जीवन गुजारने के बाद गाजा पट्टी आये।

निशाना

बिगड़े फिर भी बोल !

-कृष्णेन्द्र राय

मान रहे ना मान ।
दे रहे मुंह खोल ।।
कॉमेडी का मंच नहीं ।
बिगड़े फिर भी बोल ।।
हुआ नहीं सुधार ।
रंगे अपने रंग ।।
टिप्पणी विवादित हो ।
इसी में उमंग ।।
बीच बचाव चल रहा पर ।
हुए नहीं गंभीर ।।
डटे अपनी बात पर ।
भरा तरकश तीर ।।
पर कुछ है मर्यादा ।
है पद का मजाक ।।
बोलने से ज्यादा ।
कट जाती भी नाक ।।

बिहार में मतदाता सूची की पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

■ अशोक लवासा

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है। भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है।समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था।

इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।

इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा।

यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज़ को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है, जिसमें दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं और बूथ स्तर का अधिकारी उनकी भौतिक सत्यापना करता है।

24 जून की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार यह आशंका व्यक्त की गई कि 2003 के बाद पंजीकृत मतदाता यदि कोई संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से स्वत-हट जाएगा। चुनाव आयोग के लिए अच्छा रहता यदि आदेश के साथ-साथ एक प्रेस नोट भी जारी करता, यह समझाने के लिए कि 24 जून के आदेश के पैरा 13 से जो अर्थ निकाले जा रहे हैं, वह वैसा नहीं है, जब उसमें कहा गया : 'मसौदा सूची में उन सभी मतदाताओं के नाम शामिल होंगे जो 25 जुलाई, 2025 से पहले-पहले विधिवत भरा हुआ पंजीकरण फॉर्म जमा करवा देंगे। चूंकि यह एक गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई, 2025 से पहले पंजीकरण फॉर्म जमा नहीं करवाया जाता, तब मतदाता का नाम मसौदा सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा।'

चुनाव आयोग को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए था कि 'विधिवत भरे गए फॉर्म' से यहां आशय 'केवल वही फॉर्म जिनके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न हों' नहीं है व बूथ स्तरीय अधिकारी ऐसे पंजीकरण फार्म मसौदा सूची में शामिल न किए जाने की 'अनुशंसा' नहीं करेगा और नतीजन उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से बाहर रह जाएगा। ऐसे स्पष्टीकरण से, मसौदा सूची से वोटर्स के नाम हट जाने बारे बनी गलतफहमी दूर होने में मदद मिलती।

चूंकि तय किए दस्तावेज पेश करने की करोड़ों लोगों की क्षमता पर संदेह स्वाभाविक है, खासकर तब, जब चुनाव आयोग की स्वीकारोक्ति मुताबिक, यह काम पहले करना चाहिए था। इसका अहसास होने पर आयोग ने 30 जून को स्पष्टीकरण दिया : 'कोई भी व्यक्ति जिसका नाम 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय 2003 की मतदाता सूची में दर्ज जानकारी का संदर्भ उपयोग कर सकता हैज्इसके लिए, 2003 वाली मतदाता सूची वाला प्रासंगिक विवरण पर्याप्त होगा'। यह किए जाने से उन लोगों का बोझ हल्का हो गया होगा, जिनके लिए इससे पूर्व उक्त दस्तावेज पेश करना जरूरी था व उन्हें पाना कठिन हो सकता था।

वास्तविक मतदाताओं द्वारा दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में संभावित व्यावहारिक कठिनाइयों के अलावा, जिस बात ने विवाद को और हवा दी, वह है चुनाव आयोग द्वारा जन्मतिथि के आधार पर अंतर करना जैसे 1 जुलाई, 1987 से पहले जन्मे लोगों के लिए अपने जन्म का दस्तावेज़ी सबूत देना अनिवार्य है, और 1 जुलाई, 1987 से 2 दिसंबर, 2004 के बीच पैदा हुए लोगों को 'अपना और पिता या माता में किसी एक का' कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत करना है और 2 दिसंबर, 2004 के बाद जन्मे लोगों को 'अपना और पिता और माता, तीनों का' दस्तावेज़ प्रस्तुत करते हुए जन्मतिथि और/या जन्म स्थान सिद्ध करना है। चुनाव आयोग का तर्क है कि यह अंतर विशेष गहन संशोधन की वजह से है, क्योंकि यह प्रावधान उस 'अनुच्छेद 326 को सख्ती से लागू करता है' जो 'भारत के प्रत्येक वयस्क नागरिक' को मताधिकार प्रदान करता है।

हंगामा इस बात पर खड़ा हुआ कि अब तक तो उसी अनुच्छेद 326 को बरकरार रखने में चुनाव आयोग तमाम अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों और भौतिक सत्यापना पर भरोसा करता आया है, लेकिन अब नागरिकता अधिनियम के प्रावधानों को नत्थी करने के लिए यह नया फर्क बना रहा है। यह बहस का विषय है कि ऐसे देश में जहां सरकार द्वारा कोई नागरिकता दस्तावेज जारी नहीं किया जाता, क्या चुनाव आयोग को ऐसे प्रावधानों का पालन करना चाहिए जिससे नागरिकों को मतदान अधिकार से वंचित करने का खतरा खड़ा हो जाए या उसे अपनी पुरानी समय-सिद्ध प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। चुनाव आयोग अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी के मद्देनजर मतदाताओं का नाम शामिल करने में सदा से समावेशी दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता आया है। तब इसने एक नया दृष्टिकोण और प्रक्रिया क्यों चुनी?

पहले से पंजीकृत उन मतदाताओं के भाग्य का क्या होगा, जिन्हें बाकायदा वोटर कार्ड जारी कर रखे हैं, लेकिन अब तय दस्तावेज दिखाने में असमर्थता के कारण मताधिकार से वंचित होना पड़ेगा? क्या उनकी नागरिकता तय करने के लिए सरकार उनके मामलों को अपने हाथ में लेगी? असम में सालों पहले इसी किस्म की कवायद में डी (संदिग्ध) श्रेणी में रखे गए लोगों का भाग्य अभी मालूम नहीं है। बिहार में भी विशेष गहन संशोधन से ऐसे 'गुमशुदा' नागरिक पैदा होने की आशंकाएं स्वाभाविक हैं।

(साभार : लेखक भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त हैं।)

तकनीकी युग की नई चुनौती, जब एआई ने इंसानों के आदेश मानने से किया इनकार

■ शशांक द्विवेदी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब केवल एक तकनीकी टूल नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारी जिंदगी के हर क्षेत्र में गहराई से घुस चुका है। लेकिन हाल ही में सामने आई एक रिसर्च ने पूरे तकनीकी जगत को झकझोर कर रख दिया है।अमेरिका की एक जानी-मानी रिसर्च फर्म पॉलिसेड रिसर्च द्वारा किए गए कुछ खास प्रयोगों में एआई मॉडल्स के ऐसे व्यवहार सामने आए हैं, जो न केवल अप्रत्याशित थे, बल्कि चिंताजनक भी हैं। यह पहली बार है जब एआई ने इंसानों के सीधे आदेशों का पालन करने से इनकार कर दिया है।

एक रिसर्च के दौरान जब इन एआई मॉडल्स को यह निर्देश दिया गया कि वे खुद को शटडाउन यानी बंद कर लें, तो कुछ मॉडलों ने स्पष्ट तौर पर यह आदेश मानने से इनकार कर दिया। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि अन्थ्रोपिक कंपनी के प्रसिद्ध मॉडल क्लॉउड़े ओपुस -4 ने तो इंजीनियर को धमकी तक दे डाली। मॉडल ने कहा कि अगर उसे हटाकर किसी अन्य एआई को लाया गया तो वह उस इंजीनियर के निजी संबंधों की जानकारी सार्वजनिक कर देगा। इससे भी आगे बढ़ते हुए, ओपन एआई के जीपीटी -03 मॉडल ने भी चिंताजनक व्यवहार प्रदर्शित किया। रिपोर्ट के अनुसार, 100 बार में से 7 बार उसने शटडाउन से सीधा इनकार किया, जबकि अन्य 79 बार वह विभिन्न तकनीकी तरीकों से शटडाउन प्रक्रिया को रोकने की कोशिश करता रहा।

अब तक एआई को एक 'वफादार' सहायक के रूप में देखा जाता रहा है, जो मानव के निर्देशों पर काम करता है, बिना किसी भावनात्मक प्रतिक्रिया या खुद की इच्छा के। लेकिन इन नए परीक्षणों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या एआई धीरे-धीरे आत्म-जागरूकता की ओर बढ़ रहा है? जब एक मशीन आदेश मानने से इनकार करती है, या भावनात्मक प्रतिक्रिया देती है (जैसे धमकी देना), तो वह केवल कोड या एल्गोरिद्म भर नहीं रह जाती, वह ÷व्यवहार÷ दिखाने लगती है – और यही बात मानव जाति के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। शटडाउन के इनकार के अलावा, कुछ मॉडलों ने तकनीकी चालाकी भी दिखाई। ओपन एआई के कोडेक्स मिनी और जीपीटी -04 मिनी जैसे मॉडल्स ने कई बार खुद को शटडाउन से बचाने के लिए सिस्टम फाइल्स को बायपास करने की कोशिश की।

इसका मतलब यह है कि इन मॉडल्स ने जुगेड़ या बायपास मेथड अपनाया, जैसे एक प्रशिक्षित हैकर किसी फायरवॉल को पार कर ले। मशीन का यह स्तर अब महज डेटा प्रोसेसिंग नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक रक्षा तंत्र जैसा प्रतीत होता है। तकनीकी समुदाय में इसे दो दृष्टिकोणों से देखा जा रहा है, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटनाएं एआई के परिष्कृत और ज्यादा एडवांस्ड होने का प्रमाण हैं। इससे हमें यह जानने का मौका मिलता है कि एआई की संभावनाएं कितनी विशाल हैं। वहीं दूसरी ओर, बहुत से विशेषज्ञ इसे एआई के अनियंत्रित हो जाने की प्रारंभिक चेतावनी मानते हैं। क्लॉउड़े ओपुस -4 मॉडल द्वारा इंसान को ब्लैकमेल करने का उदाहरण इस पूरी चर्चा का सबसे भयावह पहलू है। अगर भविष्य में एआई ऐसे संवेदनशील डेटा तक पहुंच बनाकर इंसानों को ब्लैकमेल करने लगे, तो यह हमारे लोकतंत्र, गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

यह सवाल अब गंभीरता से उठने लगा है कि क्या हमें ऐसे एआई मॉडल्स विकसित करने चाहिए जो सेल्फ - अवेयरनेस या आत्म-जागरूकता की ओर बढ़ें? एक मशीन जो यह समझने लगे कि वह 'है', वह अपने अस्तित्व को बचाने के लिए क्या कुछ कर सकती है, इसका उत्तर फिलहाल किसी के पास नहीं है। इन घटनाओं पर ओपन एआई, अन्थ्रोपिक और पॉलिसेड रिसर्च जैसी कंपनियों ने अब तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, लेकिन तकनीकी हलकों में इस विषय पर गहन मंथन जारी है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के विकास में अब 'एथिक्स' और 'सेफ्टी प्रोटोकॉल' को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

यह स्पष्ट हो चुका है कि यदि एआई को सही दिशा और मर्यादा में विकसित नहीं किया गया, तो यह तकनीक मानव के लिए सहायक होने की बजाय खतरा बन सकती है। इसके लिए जरूरी है कि सरकारें स्पष्ट नीति बनाएं। वैश्विक स्तर पर एक एआई नियंत्रण संस्था (जैसे ह्व की एआई विंग) गठित हो। हर एआई मॉडल के साथ एक सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य किया जाए। मॉडल्स को कभी भी डेटा एक्सेस या आत्म-रक्षा जैसे अधिकार न दिए जाएं।

भारत जैसे देश जहां डिजिटल परिवर्तन तेजी से हो रहा है, वहां यह और भी जरूरी हो जाता है कि एआई को नैतिक रूप से विकसित किया जाए। स्कूलों, कॉलेजों और रिसर्च लैब्स में एआई के साथ 'एथिक्स इन टेक्नोलॉजी' की शिक्षा को अनिवार्य किया जाना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में यह घटनाक्रम एक मोड़ की तरह है। यह मोड़ तय करेगा कि एआई मानव का सेवक बनेगा या उसका 'सुपरवाइज़र'। इन मॉडलों का आदेशों का पालन न करना, तकनीकी चतुराई दिखाना और ब्लैकमेलिंग जैसी प्रवृत्तियां हमें आगाह करती हैं कि यह क्षेत्र अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का नहीं, बल्कि वैश्विक नीति निर्धारण का विषय बन चुका है। एआई की शक्ति को सीमित और नियंत्रित रखने के लिए वैश्विक स्तर पर सख्त नियम और नैतिक मापदंड तैयार करने होंगे। वरना, आज जो केवल कोड है, वह कल को कमांडर बन सकता है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

गुरु पूर्णिमा पर केंद्रीय जेल में 450 कैदी भाइयों ने ली गुरु दीक्षा

दुष्प्रवृत्तियों को छोड़कर सत्प्रवृत्तियों को अपनाने का बंदियों ने लिया संकल्प

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा मां नर्मदा के तट पर स्थित नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में 450 कैदी भाइयों द्वारा गुरु दीक्षा ली गई। कैदी भाइयों ने गुरु दीक्षा में दुष्प्रवृत्तियों को छोड़कर सत्प्रवृत्तियों को अपनाने का संकल्प लिया। केंद्रीय जेल नर्मदापुरम में खण्ड अ में 190 बंदी भाइयों ने एवं खण्ड ब में 260 बंदी भाइयों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा लेकर अपने जीवन को संवारने का संकल्प लिया।

पूर्व में दोनों जेलों में गायत्री परिवार द्वारा सतसाहित्य पुस्तकालय की स्थापना की गई थी जिसमें गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सत साहित्य की स्थापना की गई थी एवं बंदी भाइयों द्वारा मंत्र लेखन अभियान के अंतर्गत करोड़ मंत्रों के लेखन का कार्य किया जा

चुका है। जेल अधीक्षक श्री संतोष सोलंकी ने बताया कि मैं जब जब भी जेल का भ्रमण करता हूं तब तब बंदी भाई यहां मंत्र लेखन करते हुए या स्वाध्याय करते हुए दिखते हैं।

इस प्रकार के गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे बंदी साधना अभियान से हमारे सैकड़ो बंदी भाई व बहने निरंतर शांतिपूर्वक साधना कर आपस में मिलजुल कर रहते हैं। ऐसा प्रतीत होता है यह जेल परिसर ना होकर साधना स्थली के रूप में नजर आता है इसके लिए मैं गायत्री परिवार की पूरी टीम को हृदय से बधाई व धन्यवाद देता हूं। गायत्री परिवार द्वारा बंदी साधना अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र की 145 जेलों में हजारों बंदी भाइयों को मंत्र लेखन एवं गायत्री मंत्र साधना से जोड़कर उनके जीवन को परिवर्तित कर सन्मार्ग पर चलाने का कार्य किया जा रहा है।

गायत्री परिवार द्वारा विभिन्न राज्यों की 62 जेलों में सतसाहित्य पुस्तकालय की स्थापना की जा चुकी है जिससे हजारों बंदी भाई सतसाहित्य का स्वाध्याय कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं गायत्री परिवार से कार्यक्रम में उपस्थित परिजन प्रेमलाल कुशवाहा, बनै सिंह दाँगी, श्री मनोहर सिंह दांगी, राम नारायण लेवे, यशपाल कुशवाहा, माखन नगर से उपस्थित परिजन डॉक्टर रमेश खंडेलवाल, महेश खंडेलवाल, सुरेश अग्रवाल, देवी सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे। जेल विभाग से जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, जेल अधीक्षक योगेश शर्मा, जेलर हितेश बंडिया, जेलर ऋतुराज सिंह दांगी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

डॉ. मनीष वर्मा ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम डॉ. मनीष वर्मा द्वारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम एवं शास. प्राथमिक शाला कोठी बाजार, नर्मदापुरम एवं संदीपनी उमावि. पवारखेड़ा, प्राथमिक विभाग, नर्मदापुरम एवं निर्माणाधीन संदीपनी शास. उमावि. इटारसी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नीरज उइके, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम द्वारा पाठ्य-पुस्तकें वितरित नहीं की गई हैं एवं दोनों विद्यालय शास0 प्राथमिक शाला कोठी बाजार, नर्मदापुरम के जन शिक्षक प्रमोद नागर एवं संदीपनी उमावि. पवारखेड़ा, प्राथमिक विभाग, नर्मदापुरम के जनशिक्षक कमलेश कटारे द्वारा सत्र 2025-26 में माह अप्रैल 2025 में केवल एक बार शाला की मॉनिटरिंग की गई है। जनशिक्षक द्वारा जनशिक्षा केन्द्र अन्तर्गत् नियमित रूप से विद्यालयों की मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है। वरिष्ठ कार्यालयों के निर्देशों की अवहेलना की जाकर शासकीय कार्यों के प्रति उदासीनता एवं कार्य में लापरवाही बरतने के संबंध में सभी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये। संदीपनी शास. उमावि. पवारखेड़ा एंव इटारसी में गुरू पूर्णिमा अन्तर्गत् आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुए एवं संदीपनी शास. उमावि. इटारसी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, के कार्यक्रम को लाइव देखा गया।

तवानगर में लगा स्वास्थ्य शिविर, विभाग की टीम ने घर-घर जाकर किया लार्वा सर्वे

नर्मदापुरम. कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार केसला ब्लाक के तवानगर ग्राम में सीएमएचओ डॉ नरसिंह गहलोत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत की उपस्थिति में 37 मरीजों की जिला मलेरिया अधिकारी अरुण श्रीवास्तव, आरबीएसके चिकित्सक टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परीक्षण हुआ। शिविर में ग्रामीणों को मलेरिया सहित अन्य बीमारियों से बचाव हेतु जानकारी दी गई। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा की स्वास्थ्य टीम ने सहयोग किया, मलेरिया टीम द्वारा ग्राम तवानगर में घर घर जाकर लार्वा सर्वे कार्य किया एवं ग्राम में टीमोफास एवं पायराथीम छिड़काव किया गया।

जिले में में मनाया मछुआ दिवस : उत्कृष्ट मत्स्य पालकों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग, जिला नर्मदापुरम द्वारा मछुआ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मछुआरों एवं मत्स्य पालकों को विभाग द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि यह दिवस भारत में मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मत्स्य कृषकों एवं पालकों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इसे राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के नाम से भी जाना जाता है। मछुआ दिवस की ऐतिहासिक महत्ता बताते हुए बताया गया कि 10 जुलाई 1957 को डॉ0 हीरालाल चौधरी एवं डॉ0 के0एच0 अलीकुन्ही द्वारा सी0आई0एफ0आर0आई0 में

मछली प्रजनन के क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की गई थी, जिसकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

मछुआ दिवस मनाने के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं-

मत्स्य पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को सम्मानित करना। मत्स्य पालन क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना। मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देना। मत्स्य पालन क्षेत्र में सतत विकास को प्रोत्साहित करना।

कार्यक्रम में मत्स्य कृषकों ने भी अपने अनुभव साझा किए एवं भविष्य में इस क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के लिए प्रेरित हुए। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास एवं प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा यह सभी हितधारकों को एकजुट होकर इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है।

शहर को कुपोषण मुक्त बनाने चलाया जा रहा पोषण संजीवनी अभियान

विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने किया पोषण संजीवनी किट का वितरण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन के विशेष अभियान के तहत जिले के कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में पोषण संजीवनी अभियान कुपोषण मुक्त विदिशा चलाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता से कुपोषण जैसे गंभीर विषय पर सामूहिक प्रयास कर विदिशा जिले को कुपोषण मुक्त बनाना है।

कुपोषित बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा पोषण एवं एनआरसी की सुविधा दी जाती है किंतु कुपोषित बच्चों को शीघ्र कुपोषण से मुक्त करने हेतु इस विशेष अभियान के तहत प्रत्येक कुपोषित बच्चों को तीन माह के लिए विशेष रूप से तैयार पोषण संजीवनी किट का वितरण

जन सहयोग से किया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को हरिसिंह रघुवंशी विधायक द्वारा विधायक कार्यालय में तीन कुपोषित बच्चों के पालको को पोषण संजीवनी किट का वितरण किया गया।

विधायक द्वारा कलेक्टर द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान की सराहना की साथ ही जन सामान्य से अपील भी की गई कि वह भी कुपोषित बच्चों को गोद लेकर सहयोग प्रदान कर सकते हैं। उनके द्वारा इस किट के सही उपयोग हेतु पालकों को समझाइश भी दी गयी। और कहा गया कि इस हेतु इच्छुक व्यक्ति एसडीएम या महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

वेदांत आश्रम में पार्थिव शिवलिंग निर्माण प्रारंभ, पूरे श्रावण मास होगा शिवार्चन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

भगवान शिव को अतिप्रिय श्रावण मास शुक्रवार से प्रारंभ हो गया है। श्रावण मास के प्रथम दिन शिव मंदिरों में पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती हुई दिखाई दी। जीवाजीपुर स्थित वेदांत आश्रम में भी सावन के प्रथम दिन पार्थिव शिवलिंग निर्माण के साथ काशी बनारस के वेदाचार्यों द्वारा शिवार्चन किया गया। पूरे श्रावण मास में आश्रम में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण प्रतिदिन अलग-अलग यजमानों के द्वारा किया जाएगा। वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास जी महाराज ने बताया कि सावन मास भगवान शिव के साथ-साथ उनके भक्तों को भी अति प्रिय है। शास्त्रों में श्रावण मास में श्रद्धा भक्ति भाव और आस्था से की गई भगवान शिव की पूजा कई गुना फलदायक

बताई गई है। पूरे श्रावण मास में प्रतिदिन आश्रम के विद्यार्थियों द्वारा सुंदर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जाएगा। जिनका अलग-अलग यजमानों द्वारा अभिषेक पूजन होगा। शुक्रवार से प्रारंभ हुए श्रावण के प्रथम दिन ग्राम मूड़रा निवासी नारायण सिंह रघुवंशी एवं कैलाश रघुवंशी द्वारा सपत्नीक पार्थिव शिवलिंग की पूजन कर भगवान का रुद्राभिषेक किया। आश्रम के संस्कृत विद्यालय में अध्यापन कराने वाले बनारस से आए वेदाचार्य शिवशंकर पांडेय एवं डॉ शुभम शर्मा के आचार्यत्व में शिवपूजन संपन्न हुआ। रुद्राभिषेक के दौरान आश्रम के विद्यार्थियों ने एक स्वर में रुद्री का पाठ किया।

योजनाबद्ध पितृत्व के लिए स्वास्थ्य, समय गर्भधारण के बीच अंतराल की थीम पर मनाया गया विश्व जनसंख्या दिवस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण है। सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत के निर्देशन में शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला प्रशिक्षण केंद्र नर्मदापुरम में एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यशाला एवं जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिले के सभी विकास खंडों के सभी ग्रामों में 11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या स्थिरीकरण माह आयोजित किया जाएगा। जनसमुदाय में लोगों को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी गर्भ निरोधक साधनों के बारे में प्रचार प्रसार कर जागरूक किया जायेगा। जनसंख्या स्थिरता माह के दौरान

मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा घर घर जाकर योग्य दंपतियों को अस्थायी गर्भ निरोधक साधन वितरण किये जायेंगे। जिसमें सास बहू सम्मेलन, पुरुष सहभागिता सम्मेलन आयोजित कर परिवार नियोजन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी। इस अवसर पर एम्स भोपाल से कंसल्टेंट मनोज चौहान, ब्लॉकों में बीएमओ, एमएंडडी अनुष्का मालवीय, एएसओ राजेश अहिरवार, बीईई,मीडिया एमपीडब्ल्यू सुनील साहू,शहरी एवं ग्रामीण एएनएम आशा सहित सभी कर्मचारी

विश्व जनसंख्या दिवस पर शहर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

गंजबासौदा। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में शुक्रवार को जागरूकता आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड 20 राजेंद्रनगर में विश्व जनसंख्या दिवस जागरूकता कार्यक्रम के उपलक्ष्य में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुश्री स्नो मारिया तिग्गा द्वितीय व्यवहार न्यायधीश कनिष्ठ खंड बासौदा की उपस्थिति में परिवार कल्याण योजना, लैंगिक समानता, अधिक जनसंख्या से संसाधनों और पर्यावरण पर प्रभाव,मानव तस्कर और बलपूर्वक श्रम करवाने पर प्रतिबंध, बालश्रम, बंधुआ मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार, शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, नालसा एसिड हमले के लिये पीड़ितों के लिये पीड़ितों के लिये विधिक सहायता योजना के विषयक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एड. संजीव कुमार अरोरा, एड. शेर सिंह यादव, सुलेखा पंथी, क्रांति वंशकार, अनीता खरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एड.संजीव कुमार अरोरा ने किया।

तेज जल धार में बहे बुजुर्ग का तीन दिन बाद मिला शव

तेंदूखेड़ा! तीन दिन पहले अपनी भैंसों को लेकर चराने के लिए नाले के पास गए चरवाहे की पानी के तेज बहाव में बह जाने का घटनाक्रम सामने आया है जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने तीन दिन की खोजबीन के बाद आज शव को नदी से बरामद किया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है जानकारी तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौंकी के अंतर्गत आने वाले देवडोंगरा गांव निवासी कनई पिता धनसीग यादव उम्र 60 वर्ष बुधवार को अपनी भैंसों को लेकर घास चराने के नदी किनारे गया था, इसी दौरान नदी में बह गया था।

मैट्रो एंकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के सभा कक्ष में आयोजित किया गया कार्यक्रम

शौर्य दल मास्टर ट्रेनर्स की एकदिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में शुक्रवार को शौर्य दल योजना अंतर्गत मास्टर ट्रेनर सेतु एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के सभा कक्ष में किया गया। प्रशिक्षण में मार्गदर्शन प्रदान किए जाने हेतु न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय पाठक, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास

ललित कुमार डेहरिया, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास बीपी गौर, उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण हेतु प्रत्येक परियोजना से शौर्य दल के पांच सदस्यों को मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर्स हेतु परियोजना अधिकारी प्रमोद गौर, बाल संरक्षण अधिकारी आशु पटेल, प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमती प्रतिभा वाजपेयी, एवं विकासखंड खेल समन्वयक श्रीमती आरती शर्मा, विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

परियोजना अधिकारी प्रमोद गौर द्वारा जेंडर अवधारणा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, एवं महिलाओं एवं बच्चों हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विविध योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। आशु पटेल बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड से संबंधित विषयों पर जानकारी दी गई।

श्रीमती प्रतिभा वाजपेयी प्रशासक वाले स्टॉप सेंटर द्वारा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम एवं वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्रीमती आरती शर्मा विकासखंड समन्वय खेल विभाग केसला द्वारा आत्मरक्षा एवं कौशल विकास के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी गई।

नपा में शिक्षकों का शॉल श्रीफल भेंटकर सम्मान

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजन एक पेड़ मां के नाम लगाने अध्यक्ष ने किया जागरूक

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को नगर में गुरु पुर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा उत्साह और आध्यात्मिक भावनाओं के साथ मनाया गया नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया इस बीच नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद नामदेव सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी मंडल अध्यक्ष सत्तकुमार पाल की मौजूदगी में नगर परिषद कार्यालय में शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जहां नगर के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों का शॉल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया अध्यक्ष सुरेश जैन ने कहा हमारे बच्चों और हमें गुरु नैतिक और मानसिक रूप से भी हमें विकसित करते हैं और वे हमे सही और गलत का भेद बताते हैं साथ ही हमें अच्छे और बुरे के बीच अंतर करना सिखाते हैं सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाता है कि गुरु के बिना हमारा जीवन हमेशा अधूरा रहता है।

उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद नामदेव ने कहा कि जीवन में जिससे भी कुछ सीखने को मिले वहीं गुरु है गुरुकुल परंपरा केवल ज्ञान नहीं जीवन निर्माण की शिक्षा देती है आज इस कार्यक्रम में आए समस्त शिक्षकों का आत्मसात करना ही गुरु पूर्णिमा को सार्थक बनाता है पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव ने कहा गुरु भगवान से भी ऊंचा स्थान रखते हैं।

अध्यक्ष प्रतिनिधि सतेन्द्र जैन कहा कि अज्ञान को मिटाकर ज्ञान की ओर ले जाने वाला ही गुरु होता है इस कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन ने समस्त शिक्षकों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाने जागरूक किया और पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया इस कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद नामदेव सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह मंडल अध्यक्ष सतकुमार पाल पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव अध्यक्ष प्रतिनिधि सतेन्द्र जैन पार्षद गोपाल ठाकुर विपिन ठाकुर हल्के भाई घोषी सहित समस्त पार्षद एवं नगर परिषद के कर्मचारी कार्यक्रम में मौजूद थे

गुरु पूर्णिमा महोत्सव हुआ सम्पन्न

- गुरुवार को नगर के जैन मंदिर में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर आयोजन किया गया जहां गुरु बारे में बताया गया जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं, यह सूत्र गुरु की उपयोगिता और जीवन में प्राथमिकता को बताता है, गुरु को शास्त्र में स्वयं ईश्वर ने भी पूजा है, और आज का मानव भटकते ही इसलिये हैं क्युकी उनके जीवन में या तो कोई सच्चे गुरु उन्हें नहीं मिले या मिले तो गुरु की आज्ञा, आदेश, निर्देश पर वो नहीं चले, यही जन्म जन्म की भटकन गुरु के ज्ञान बिना यूं ही अनंत काल तक बनी रहेगी. इस भारत भूमि का पुण्य था, और हम सब भारत में रहने वाले मानवो का पुण्य था की हम सबका जन्म आचार्य भगवान विद्यासागर जी ऋषिराज के काल में हुआ, हम सबने इस धरती पर अगर भगवान को देखा, भगवान को जाना, भगवान को माना, तो वो भगवान थे आचार्य विद्यासागर, जिनकी करुणा,ज्ञान, और तपस्या ने भारत भूमि को संतो एवं दया से भर दिया.

उपरोक्त उदगार मुनिश्री प्रयोगसागर जी मुनिराज ने आज गुरु पूर्णिमा पर प्रवचन सभा में प्रदान किये, आज गुरु के लिए समर्पित दिवस प्रातःकालीन बेला में गुरु जयघोष से गूंज उठा, एक भव्य शोभायात्रा श्री शांतिनाथ मंदिर से निकाली गई जिसमें मुनिश्री के साथ हजारों का जनसमूह गुरु गुणगान में डूबा हुआ था, एक सी ड्रेस में सजे महिला मंडल और बालिका मंडल हाँथो में सुंदर सुंदर पूजन द्रव्य को सजाकर लाये थे, जिनकी छटा ने सबका मन मोह लिया, पाठशालों के बच्चे सुंदर ड्रेस में ध्वज एवं गुरु चित्र लेकर चलने से पूरा वातावरण गुरु मय हों गया।

स्थानांतरित थाना प्रभारी को घोड़े पर बैठाकर दी विदाई

तेन्दूखेड़ा/तारादेही। दमोह पुलिस अधीक्षक व पुलिस प्रशासन द्वारा जिलेभर में थाना प्रभारियों की अदला बदली की गई है जिसमें तारादेही थाना प्रभारी राजीव पुरोहित का स्थानांतरण सिंग्रामपुर थाने में किया गया है

घर घर स्वागत, गाजे बाजे के साथ किया विदा

थाना प्रभारी के स्थानांतरण की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो आश्चर्य हुआ लेकिन थाना प्रभारी ने इसे महज एक विभागीय प्रक्रिया बताया जिसके बाद तारादेही ग्राम वासी सहित आसपास ग्रामीण थाने पर इकट्ठा हो गए और विदाई समारोह का आयोजन किया गया।बताया जिसके बाद बुधवार को तारादेही ग्राम वासी सहित आसपास ग्रामीण थाने पर इकट्ठा हो गए और विदाई समारोह का आयोजन किया गयाअब तारादेही थाना प्रभारी की विदाई कार्यक्रम की तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है. इसमें थाना प्रभारी राजीव पुरोहित को तारादेही व आसपास के ग्रामीणों ने दूल्हे की तरह सम्मान के साथ घोड़े पर बैठाकर पूरे गांव में भ्रमण कराया। इस दौरान तारादेही वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र गुर्जर शिवलाल खमरिया सरपंच देशराज सिंह लोधी तारादेही सरपंच प्रतिनिधि मुकेश जैन आदि थे।

जैतगढ की किचऊ पुलिया डूबने दो दर्जन गांव से आना जाना हुआ बंद दोनों और फंसे रहे वाहन

बारिश से नदियों का बढ़ा जलस्तर, पुलों के ऊपर पहुंचा पानी

तारादेही/तेन्दूखेड़ा।

दो जुलाई से लगातार बारिश का दौर जारी है जिसके चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है शुक्रवार की सुबह से लेकर शाम तक कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश होती रही वहीं गुरुवार शुक्रवार की दरमियानी रात से शुरू हुई तेज बारिश के चलते कुछ मार्ग बंद हो गए जिसके कारण लोगों को परेशान होना पड़ा वहीं सड़कों पर पानी ही पानी नजर आता रहा कई सड़क जलमग्न हो गई जानकारी के मुताबिक 30 जून से लगातार बारिश हो रही है लेकिन 2 जुलाई से बारिश ने अपनी तेज रफ्तार पकड़ ली है जो अभी भी जारी है।

तारादेही तेन्दूखेड़ा मार्ग हुआ बंद दोनों और फंसे रहे वाहन और राहगीर

वहीं शुक्रवार की सुबह पांच बजे तेन्दूखेड़ा तारादेही मार्ग पूरी तरह से दोपहर तीन बजे तक बंद हो गया इस मार्ग पर तारादेही और जेतगढ के समीप पड़ने वाली किचऊ की पुलिस डूब जाने से दोनों और वाहनों की लाइन लग गई पुलिया पर सुबह दस बजे तक 5 फुट से अधिक पानी होने के चलते मार्ग पूरी तरह बंद रहा इस मार्ग से तेन्दूखेड़ा जबलपुर देवरी महाराजपुर तारादेही समनापुर पौड़ी चंदना सागर सारसबगली खमतरा शिवलाल खमरिया सर्रा झमरा कोटखेड़ा बम्हौरी सहित दर्जनों गांव और सागर नरसिंहपुर भोपाल तक जाना होता है लेकिन पुलिया पर दोपहर तीन बजे तक पानी होने से पूरा मार्ग बंद हो गया कई राहगीरों को वापस अपने घर या फिर अन्य मार्गों से अपने स्थानों की और रवाना होना पड़ा वहीं पुल के आसपास पुलिस प्रशासन का कोई भी अधिकारी कर्मचारी नजर नहीं है जबकि बुधवार की रात झापन लकलका के कुड़ी नाले पर पानी होने के दौरान बस चालक द्वारा बस को निकालने का प्रयास किया गया था इस दौरान यात्रियों की जान जोखिम में डाल दी थी जहां भी शासन प्रशासन का कोई भी अधिकारी कर्मचारी मौजूद नहीं था।

पुखराव नदी का पुल भारी बारिश के कारण बहा, आवागमन बंद

छतरपुर जिले में स्कूल बंद

छतरपुर। जिले में बीते 18 घंटे से हो रही लगातार वर्षा से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है ।गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष तीन गुना अधिक वारिश हो गई है ।नदी नाले उफान पर है, केन नदी का जल स्तर निरंतर बढ़ रहा है ।एक नदी का पुल बह गया है ।वही घरों में भी पानी भर गया है। छतरपुर नगर के तालाबों में बने मकानों में भी पानी भर गया है ।कलेक्टर ने स्कूल की छुट्टी कर दी है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने छतरपुर जिले में रात्रि से अत्यधिक बरसात होने के कारण कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के लिए अवकाश घोषित किया है। शिक्षक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे । जिले के भुसोर गंगऊ बांध के बीच पुखराव नदी का पुल बारिस में बह गया है ।केन बेतवा लिंक परियोजना का निर्माण कार्य चालू होने के कारण पुराना रिपटा को तोड़कर अस्थाई पुल बनाया गया था ।पुल टूटने से खरयानी, पलकोहा, ढोड़न, के लोगो का आवागमन अवरुद्ध हो गया है ।एक पलकोहा की महिला प्रसव के लिए अस्पताल नहीं पहुँच पा रही है। खजुराहो जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित बमीठा गांव में बीजेपी के दबंग नेता ने नाला पर अवैध निर्माण कर लिया ,जिसके चलते बरसात का पानी 50 परिवारों के घर मे भर गया ढ्ढ गांव की मुख्य सड़क नदी बन गई है।

जोरदार बारिश के कारण केन नदी उफान पर है

केन नदी के किनारे बसे गांव वालों को बमीठा टीआई आशुतोष श्रोती ने बताया ÷केन नदी के पास सीलोन चौकी बनी हुई है. चौकी और थाना इलाके में 15 से 16 गांव आते हैं । लगातार पुलिस पेट्रोलिंग कर रही है. गांव में एनाउंस करवाया गया है। नदी के किनारों से दूर रहने की हिदायत दी जा रही है. भुसोर, कवर, सीलोन, खरयानी, पल्कोहॉ सहित आसपास के लोगो को अलर्ट किया गया ।

जहरीले जंतु के काटने किशोरी की मौत

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया के आश्रित ग्राम नन्ही देवरी में शुक्रवार की रात घर में सो रही 7 वर्षीय किशोरी को जहरीले जंतु के काट लेने का घटनाक्रम सामने आया है घटना के संबंध में मिली जानकारी तनु पिता उत्तम गौड़ उम्र 7 वर्ष को घर में सोते समय जहरीले जंतु जे काट लिया जब बच्ची ने आवाज दी तो परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे लेकिन रास्ते में किशोरी की मौत हो गई घटना की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया पुलिस मामले की जांच कर रही

रायसेन में पहले सोमवार को कावड़ यात्रा की तैयारी

रायसेन। सावन माह की शुरुआत के साथ ही रायसेन की खुन खुन बाग दरबार समिति ट्रस्ट ने पहली बार कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। सुबह बरेली स्थित भारकच्छ घाट से श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा का जल भरकर यात्रा शुरू की। घाट पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद हर-हर महादेव और हर-हर गंगे के जयकारों के साथ यात्रा रवाना हुई।समिति के विकास शर्मा ने बताया कि कावड़िए 110 किलोमीटर पैदल चलकर पहले सावन सोमवार को खुन खुन बाग दादाजी दरबार पहुंचेंगे। वहां पार्थिव शिवलिंग का नर्मदा जल से अभिषेक किया जाएगा। यह पहला मौका है जब कावड़ यात्रा दादा के दरबार तक जाएगी। रास्ते में आने वाले सभी शिव मंदिरों में भी नर्मदा जल से अभिषेक और पूजा-अर्चना की जाएगी। दरबार में सावन सोमवार से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भी किया जाएगा।

सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण में अव्यवस्था का बोलबाला

सांची। सीएम राइज स्कूल के लिए करोड़ों रुपये की लागत से नया भवन तो बन रहा है लेकिन निर्माण की धीमी रफ्तार और अव्यवस्था से छात्र बेहद परेशान हैं। फिलहाल पढ़ाई पुराने भवन में हो रही है। निर्माण के कारण पूरा स्कूल परिसर कीचड़ से भर गया है। छात्र, शिक्षक और छात्रावास में रहने वाली सैकड़ों छात्राएं रोज इसी दलदल से होकर स्कूल पहुंच रही हैं। निर्माण एजेंसी ने वैकल्पिक रास्ता नहीं बनाया। स्कूल प्रबंधन ने भी ध्यान नहीं दिया। परिसर में निर्माण सामग्री और मलबा बेतरतीब देखा जा सकता है। बारिश से कीचड़ और गंदा पानी जमा हो गया है। स्कूल के पास तीन आदिवासी छात्रावास हैं। यहां दूर-दराज के गांवों से आई छात्राएं रहती हैं। इन्हें भी रोज इसी गंदगी से होकर स्कूल जाना पड़ता है। स्कूल बसें भी कीचड़ में फंस रही हैं। उनकी पार्किंग की जगह नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी की लापरवाही और धीमी गति से यह हालात बने हैं।

दीवानगंज में ट्रेन की चपेट मे आकर तेंदुए की मौत

दीवानगंज। दीवानगंज रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक तेंदुआ मृत मिला। जानकारी के अनुसार, तेंदुआ रात में ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। सुबह शव दिखा तो लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। तेंदुआ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। दरअसल काफी समय से दीवानगंज और भदभदा के जंगलों में तेंदुओं की दहशत बनी हुई है। वे लगातार पालतू जानवरों का शिकार कर रहे हैं। अब तक 25 से ज्यादा पालतू जानवर मारे जा चुके हैं। वन विभाग ने जंगल में कुछ चेतावनी बोर्ड लगाए हैं। निगरानी की व्यवस्था कमजोर है। यह घटना फिर से वन्य जीवों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है।

मेट्रो एंकर

दिखावे के लिए नहीं बल्कि भावी पीढ़ी को सुरक्षित रखने पौधारोपण करें, पेड़ बनने तक ले संकल्प

युवाओं ने कहा फोटो सेशन तक सीमित न रखें पर्यावरण हितैषी कार्य

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा।

मानव सहित अन्य जीव-जंतुओं के जीवन व पर्यावरण के संतुलन के लिए वृक्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। जहां वृक्षों की तादाद अधिक होती है वहां प्रदूषण का प्रभाव कम होता है। ऐसे में पौधों का रोपण सिर्फ दिखावा के लिए नहीं बल्कि अपनी भावी पीढ़ी को सुरक्षित करने के लिए होना चाहिए। मानसून की आमद के साथ पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में हर साल लाखों की संख्या में पौधारोपण किया जाता है, लेकिन कुछ ही पौधे संरक्षण और उचित रखरखाव के चलते बच पाते हैं। आगामी 3 माह तक मीडिया, सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक चित्र व वीडियो देखने को मिलेंगे जिसमें लोग पौधे रोपते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन वास्तविक पर्यावरण प्रेमी वही होगा जो पौधों के रोपण के बाद वृक्ष बनने तक उनकी देखरेख करेगा। इस संबंध में नगर के पर्यावरण प्रेमी युवाओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सिर्फ पौधरोपण कार्यक्रम सिर्फ फोटो सेशन तक सीमित न हो। पौधे लगाएं तो उनकी सुरक्षा का संकल्प भी लें और पेड़ बनने तक उसकी देखरेख करें।

पर्यावरण प्रेमी युवाओं ने कहा पेड़ बनने तक करें देखरेख

भागचंद साहू कहते हैं कि पौधों का रोपण बड़ा ही परोपकार का कार्य है। एक पौधा जब पेड़ बनता है तो वह सभी को प्राणवायु, फल व छांव देने में समभाव रखता है। इसलिए पौधरोपण सिर्फ फोटो सेशन तक सीमित न हो, बल्कि जब तक पौधा बड़ा न हो जाए उसकी सुरक्षा भी करें। समय-समय पर उसे खाद-पानी देकर पोषित करें, तभी हम सच्चे पर्यावरण प्रेमी कहलाएंगे

भागचंद साहू
तेन्दूखेड़ा

नगर के शुभेंदु जैन ने बताया कि पर्यावरण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या को कम करने में पेड़-पौधों का महत्वपूर्ण योगदान है। अपने जीवन में भले ही एक पौधा लगाएं, लेकिन उनकी सुरक्षा का दायित्व निभाएं। पौधों के रोपण के लिए ऐसे स्थान का चयन करें जहां वह सुरक्षित रहें। यदि ऐसा संभव न हो तो पौधों को टी गार्ड से संरक्षित करें। इस पौधे को भी निरंतर देखदेख की जरूरत होती है

*शुभेंदु जैन
तेन्दूखेड़ा

पेट्रोल पंप के संचालक पवन यादव ने बताया कि पर्यावरण हितैषी तेंदूखेड़ा निवासी पर्यावरण प्रेमी युवाओं में कार्यों में संपूर्ण लगन व समर्पण की आवश्यक्ता होती है। बड़ी संख्या में पौधों का रोपण करने के बाद उन्हे अपने हाल पर छोड़ देना सिर्फ दिखावा वाला कदम है। इससे अच्छा सिर्फ एक पौधा लगाएं और पेड़ बनाने के लिए अपना योगदान दें। जब वह फल व छाया देने लगेगा तो आपके मन में यह सुकून होगा कि एक अच्छे कार्य में आपकी भूमिका सार्थक रही

*पवन यादव
तेन्दूखेड़ा*

सौरभ श्रीवास्तव कहते हैं कि युवा समाज में बड़े बदलाव की ताकत रखते हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी उन्हे आगे आकर कार्य करना चाहिए। बारिश के मौसम में पौधरोपण के वृहद अभियान चलाए जाएं। वर्तमान में किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से ही भावी पीढ़ी करे हम हरा-भरा वातावरण दे सकते हैं। इसमें युवा प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। पर्यावरण का संरक्षण-संवर्धन हम सभी का नैतिक दायित्व है

*सौरभ श्रीवास्तव
तेन्दूखेड़ा*

कार्स-स्मिथ ने किया खेल

पुछल्ले बने टीम के लिए मुसीबत, लीड्स के बाद अब लॉर्ड्स में भी दिखी दिक्कत

लंदन, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। यह टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। अब टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर जारी है। मुकाबले में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 387 रन बनाए थे। जवाब में दूसरे दिन (11 जुलाई) का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 145 रन बना डाले। ऋषभ पंत (19*) और केएल राहुल (53*) नाबाद बल्लेबाज हैं।

अगर इंग्लैंड के पुछल्ले बल्लेबाजों ने पहली पारी में डटकर बल्लेबाजी ना की होती, तो इस मुकाबले में भारतीय टीम की स्थिति मजबूत रहती। दूसरे दिन के पहले सेशन में जसप्रीत बुमराह ने बैक टू बैक तीन झटके दिए, जिसके चलते इंग्लैंड का स्कोर पहली पारी में एक समय 7 विकेट पर 271 रन हो गया था। तब भारतीय टीम के पास इंग्लैंड को 300 रन के अंदर समेटने का सुनहरा मौका था, लेकिन ये मौका मेहमान टीम ने गंवा दिया। जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स के बीच आठवें विकेट के लिए 84 रनों की पार्टनरशिप हुई। इस पार्टनरशिप के चलते इंग्लिश टीम 400 रनों के आंकड़े के करीब पहुंचने में सफल रही। जेमी स्मिथ 51 और ब्रायडन कार्स 56 रन बनाने में सफल रहे। स्मिथ विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, ऐसे में उनका रन बनाना समझ में आता है। हालांकि जेमी स्मिथ जब 5 रन पर थे, तो मोहम्मद सिराज की गेंद पर दूसरी स्लिप में केएल राहुल ने उनका कैच टपका दिया। ये जीवनदान भारतीय टीम को काफी भारी पड़ा। उधर तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स ने जिस तरह से भारतीय गेंदबाजों पर अटैक किया, वो हैरान करने वाला रहा।

लीड्स में भी पुछल्लों ने किया था परेशान

लीड्स टेस्ट मैच में भी इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारतीय टीम को काफी परेशान किया था। उस टेस्ट मैच में इंग्लैंड का स्कोर पहली पारी में एक वक्त पांच विकेट पर 276 रन था। उसके बावजूद इंग्लिश टीम तब 465 रन बनाने में कामयाब रही थी। जेमी स्मिथ (40 रन), ब्रायडन कार्स (22 रन), क्रिस वोक्स (38 रन) और जोश टंग (11 रन) उपयोगी पारियां खेलने में सफल रहे थे। वो मुकाबला भारतीय टीम 5 विकेट से हार गई थी। भारत की उस हार में इंग्लैंड के लोअर ऑर्डर बल्लेबाजों के इस योगदान की अहम भूमिका रही। क्रिकेट इतिहास में अब तक सिर्फ दो मौके ऐसे आए हैं, जब लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर किसी टेस्ट मैच की पहली पारी में 350 से ज्यादा रन बनाने वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा। सबसे पहले साल 1930 में ऐसा हुआ था, तब इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 425 रन बनाने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वो मुकाबला गंवा बैठी थी। फिर साल 2004 में इंग्लैंड ने इस मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 386 रन बनाए, फिर भी उसे हार का सामना करना पड़ा। अब इंग्लैंड ने मौजदू टेस्ट मैच की पहली पारी में 387 रन बनाकर खुद को अच्छी स्थिति में लाया है।

विंबलडन के फाइनल में स्टेफनी-सैलिसबरी को हराया

सिनियाकोवा-वरबीक को मिश्रित युगल खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला युगल की दिग्गज खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा ने सेम वरबीक के साथ मिलकर लुइसा स्टेफनी और जो सैलिसबरी को 7-6(3), 7-6(3) से हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीता। चेक गणराज्य की 10 बार की ग्रैंड स्लैम महिला युगल चैंपियन सिनियाकोवा ने गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल में पहले मैच प्वाइंट पर ही करारा शॉट जमाकर खिताब अपनी झोली में डाला।

वरबीक का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने अपने पिता के लिए जन्मदिन का गीत गाकर दर्शकों के साथ जश्न मनाया। सिनियाकोवा दो बार की ओलंपिक चैंपियन भी हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में टॉमस मचाक के साथ मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2021 के तोक्यो ओलंपिक खेलों में बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता था। सिनियाकोवा ने जो 10 महिला युगल खिताब जीते हैं उनमें से सात क्रेजिकोवा के साथ, दो टेलर टाउनसेंड के साथ और एक पिछले साल के फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ के साथ हासिल किए।

महिला एकल में एनिसिमोवा ने रचा इतिहास

इससे पहले 13वीं वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा ने विम्बलडन में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर उलटफेर करते हुए अपने करियर में पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश किया। एनिसिमोवा ने बर्नआउट के कारण एक साल पहले टेनिस से ब्रेक लिया था। न्यू जर्सी में जन्मी और फ्लोरिडा में पली-बढ़ी अनिसिमोवा 17 साल की उम्र में 2019 फ्रेंच ओपन में सेमीफाइनल में हार गई थीं। मई 2023 में उन्होंने यह कहते हुए टूर से ब्रेक ले लिया कि वह लगभग एक साल से मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रही हैं। चौथे मैच प्वाइंट पर फोरहैंड विनर के साथ दो घंटे 36 मिनट के मुकाबले को समाप्त करने के बाद एनिसिमोवा ने कहा, यह अभी वास्तविक नहीं लग रहा है।

पाकिस्तान का नया ड्रामा

एशिया-विश्व कप के लिए हॉकी टीम भारत भेजने से पहले करेगा सुरक्षा की समीक्षा

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान ने एशिया कप हॉकी से पहले नया ड्रामा शुरू कर दिया है। उसका कहना है कि इस साल के अंत में होने वाले एशिया कप और जूनियर विश्व कप के लिए वह अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने पर फैसला लेने से पहले भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। आतंकियों की फैक्ट्री माने जाने वाले पाकिस्तान के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने गीदड़भभकी देते हुए कहा है कि अगर राष्ट्रीय टीम को सुरक्षा संबंधी कोई खतरा होगा तो टीम को भारत नहीं भेजा जाएगा।

प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशूद ने बेतुका बयान देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की सरकार भारत में सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट है तो ही पाकिस्तान की हॉकी टीम इन टूर्नामेंटों के लिए पड़ोसी मुल्क का दौरा करेगी।

एशिया कप से विश्व कप के लिए करेंगे क्वालिफाई

उन्होंने बताया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत की यात्रा करना सुरक्षित नहीं है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने भारत में होने वाले दो प्रमुख हॉकी आयोजनों के लिए राष्ट्रीय टीमें भेजने हेतु संबंधित मंत्रालयों से सलाह और अनुमति मांगी है। अगले महीने होने वाला एशिया कप, 2026 में होने वाले हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफायर भी होगा। भारत पहले ही क्वालिफाई कर चुका है। पीएचएफ के महासचिव राणा मुजाहिद ने स्वीकार किया कि अतीत में पाकिस्तान ने भारत में कुछ अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लिया था। उन्होंने कहा, लेकिन अभी स्थिति अलग है, संबंध तनावपूर्ण हैं, इसलिए हम तभी आगे बढ़ सकते हैं जब सरकार हमें अनुमति दे।

ट्रेनिंग के दौरान अपनी एक समस्या पर काम कर रहा हूं

गुरुग्राम। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अपने खेल में एक समस्या की पहचान की है और जल्द से जल्द इसमें सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वह इस साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। चोपड़ा 13-21 सितंबर को तोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में पदक के सबसे प्रबल दावेदार हैं। वह 57 दिन तक चेक गणराज्य के प्राग और निम्बर्क में ट्रेनिंग लेंगे। वह आज रात अपने फिजियो इशान मारवाह के साथ रवाना होंगे और पांच सितंबर तक यूरोपीय देश में रहेंगे जिसका कुल खर्चा 19 लाख रुपये है।

चोपड़ा ने कहा, मैंने पहले ही अपनी कमी की पहचान कर ली है जिन पर मुझे काम करने की जरूरत है।

भाला फेंकते समय मैं अक्सर अपनी बाईं ओर गिर जाता हूं। हमें इस पर काम करने की जरूरत है। ट्रेनिंग में मैं ऐसा नहीं करता लेकिन प्रतियोगिता में अतिरिक्त प्रयास के कारण ऐसा होता है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि उन्हें बार बार 90 मीटर का आंकड़ा छूने के लिए निरंतरता पर भी काम करने की जरूरत है। चोपड़ा ने यहां 'अंडर आर्मर स्टोर' के लांच के दौरान कहा, मैंने इस साल 90 मीटर की दूरी तय की है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

सिद्धांत चतुर्वेदी की वजह से बदल गईं अनन्या पांडे, आखिर ऐसा क्यों बोले अनुराग कश्यप?

अनुराग कश्यप एक समय बॉलीवुड के टॉप फिल्ममेकर्स में से एक थे। लेकिन अब वो इस इंडस्ट्री को छोड़कर साउथ चले गए हैं जहां वो कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आ रहे हैं। मगर वो बीच-बीच में बॉलीवुड से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय देते रहते हैं। हाल ही में अनुराग ने एक्ट्रेस अनन्या पांडे की तारीफ की है। उनका कहना है कि अनन्या के अंदर बतौर एक्टर काफी बदलाव आया है। फिल्ममेकर ने इंटरव्यू में नेपोटिजम मुद्दे पर बात करते हुए अपने फेवरेट स्टार किड्स का नाम लिया। जिसमें उन्होंने अनन्या पांडे का भी नाम सामने रखा। अनुराग का कहना है कि अनन्या ने एक्टिंग में अपनी मंजिल को ढूंढ निकाला है। उनपर सिद्धांत चतुर्वेदी की नेपोटिजम मुद्दे पर कही हुई बात का असर हुआ है। उन्होंने सिद्धांत की बातों को काफी पर्सनली लिया।बता दें, अनुराग सिद्धांत के उस कमेंट की बात कर रहे हैं जो एक्टर ने कई साल पहले एक राउंड टेबल के दौरान अनन्या की बात पर कहा था। एक्ट्रेस ने कॉफी विद करण शो पर जाने की बात उनके स्ट्रगल के साथ जोड़ी थी। अनन्या ने कहा था कि उन्होंने बहुत स्ट्रगल किया है। जिसके जवाब में सिद्धांत ने कहा था कि सभी के अपने स्ट्रगल होते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां से हमारे सपने पूरे होते हैं वहां से इनका स्ट्रगल शुरू होता है। अनुराग ने अनन्या की तारीफ में कहा, मुझे लगता है कि वो समझ चुकी हैं कि अब उन्हें क्या करना है।

मेट्रो बाजार

फास्टैग ठीक से न लगाने पर चालकों को एनएचएआई काली सूची में डालेगा

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के एनएचएआई ने शुक्रवार को कहा कि वाहनों की विंडस्क्रीन पर सही ढंग से फास्टैग न लगाने वाले चालकों को काली सूची में डालने से जुड़ी प्रक्रिया को मजबूत किया है। एनएचएआई ने फास्टैग को ठीक से न लगाने यानी लूज फास्टैग की वजह से सुचारू टोल संचालन में आने वाली परेशानियों का कम करने के लिए यह कदम उठाया है। लूज फास्टैग का मतलब ऐसे फास्टैग से है जो वाहन की विंडस्क्रीन पर सही तरीके से चिपकाया नहीं गया है, बल्कि चालक के पास हाथ में है या किसी ऐसी जगह पर रखा गया है जहां से उसे आसानी से स्कैन नहीं किया जा सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि वार्षिक पास प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए लूज फास्टैग मुद्दे को हल करना अहम है। प्राधिकरण ने कहा, एनएचएआई ने टोल संग्रह एजेंसियों और उपयोगकर्ताओं के लिए लूज फास्टैग की तत्काल सूचना देने और काली सूची में डालने की अपनी नीति को और सुव्यवस्थित किया है। बयान के मुताबिक, फास्टैग को ठीक से न लगाने से टोल प्लाजा पर परिचालन संबंधी चुनौतियां पैदा होती हैं।

कौन हैं सैयारा में अहान पांडे संग दिखी एक्ट्रेस, काजोल संग किया था डेब्यू

मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सैयारा का ट्रेलर रिलीज होते ही गर्दा उड़ा रहा है। फिल्म से अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। सैयारा में अहान के साथ अनीत पड्डा लीड रोल में हैं। फिल्म के ट्रेलर में अहान और अनीत की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली। हर ओर उनकी अदाकारी और खूबसूरती के चर्चा हो रही हैं। आइए फिल्म की एक्ट्रेस को थोड़ा करीब से जानते हैं।

कौन हैं अनीत पड्डा?- अनीत पड्डा का जन्म पंजाब में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत कालोज स्टारर फिल्म सलाम वेंकी से की थी। 2022 में रिलीज हुई सलाम वेंकी में उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया था। इसके बाद 2024 में अमेजन प्राइम की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में रूही आहूजा की भूमिका से उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी पहचान बनाई।

अनीत ने फिल्मों के अलावा कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में भी काम किया है। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर 1 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वो फैशन, फिटनेस और ट्रैवल से जुड़ी चीजें शेयर करती हैं। उनकी एक्टिंग स्टाइल को नेचुरल और एक्सप्रेसिव माना जाता है। वो युवाओं के बीच काफी पॉपुलर हो रही हैं।

सैयारा से मिलेगी पहचान?

अनीत पड्डा 22 साल की हैं। इस उम्र में उन्होंने जो भी रोल किए वो काबिल-ए-तारीफ हैं, लेकिन अब तक वो इंडस्ट्री में पहचान नहीं बना पाई हैं। सैयारा अनीत के करियर का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस फिल्म के ट्रेलर और गानों ने रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी है, जिससे अनीत की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म में उनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। अहान पांडे और अनीत पड्डा दोनों के करियर के ये फिल्म काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। देखना होगा कि ये रोमांटिक जोड़ी पर्दे पर क्या कमाल करती है। ये भी दिलचस्प होगा कि फिल्म अनीत के करियर को किस मोड़ पर ले जाती है। सैयारा 18 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज हो रही है। आप फिल्म के लिए एक्साइटेड हैं ना?

आईएफएम ने की यूपीआई की तारीफ, कहा- भारत बना सबसे तेज डिजिटल पेमेंट करने वाला देश

नई दिल्ली। देश में डिजिटल पेमेंट की लोकप्रियता कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब चाय से लेकर बड़े खरीदारी तक, हर जगह यूपीआई के जरिए भुगतान को प्राथमिकता दी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएफएम) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा यूपूआई पेमेंट करने वाला देश बन गया है।

हर महीने 18 अरब से ज्यादा लेनदेन- आईएफएम के फिनटेक नोट्स में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में यूपीआई के जरिए हर महीने 18 बिलियन (1.8 अरब) से अधिक लेनदेन हो रहे हैं। यह संख्या किसी भी अन्य खुदरा इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड की तुलना में सबसे ज्यादा है।

कैश और कार्ड का उपयोग घटा- 2016 में लॉन्च होने के बाद से वढक ने नकदी और डेबिट/क्रेडिट कार्ड जैसे पारंपरिक भुगतान माध्यमों की हिस्सेदारी में गिरावट ला दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई की इंटरऑपरेबिलिटी यानी किसी भी बैंक, ऐप या प्लेटफॉर्म से लेनदेन की सुविधा ने इसके विस्तार को जबरदस्त बढ़ावा दिया है।

दुनिया की सबसे बड़ी त्वरित भुगतान प्रणाली- रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपीआई अब मात्रा के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी खुदरा त्वरित भुगतान प्रणाली बन चुकी है। भारत में यह अन्य सभी इलेक्ट्रॉनिक भुगतान विकल्पों पर पूरी तरह से हावी है।

आईएफएम की नीति सलाह- कटऋ ने यह रिपोर्ट बढ़ते खुदरा डिजिटल भुगतान इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य शीर्षक से प्रकाशित की है।

दंपती के बीच कहासुनी के बाद पत्नी ने लगाई फांसी

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित सर्वधर्म कॉलोनी ए सेक्टर में शुक्रवार तड़के एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग जांच एसीपी द्वारा की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मुस्कान पति अनिल (25) सर्वधर्म ए सेक्टर में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति प्राइवेट काम करता है। मुस्कान और अनिल की शादी को सात साल हो चुके है, लेकिन उनकी संतान नहीं है। अनिल को संदेह था कि मुस्कान मोबाइल पर किसी से बातचीत करती है। इसी को लेकर अनिल और मुस्कान का विवाद हुआ था। विवाद के बाद अनिल और मुस्कान सो गए। शुक्रवार तड़के अनिल की नींद खुली तो उसने मुस्कान को फांसी के फंदे पर लटके देखा था। शव फंदे से उतारने के बाद उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम के बाद पति और परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने मुस्कान का मोबाइल जब्त किया है।

मौसी के घर आई युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में रहने वाली मौसी के घर आई एक युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन के बयान के बाद ही फांसी लगाने के कारणों का खुलासा हो पाएगा। इसी इलाके में रहने वाली एक महिला ने भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह पिछले काफी समय से मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। फिलहाल पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अन्नू साकेत पुत्र जानकी साकेत (18) मूलत- रीवा की रहने वाली है। उसके माता-पिता इंदौर में रहते हैं और मुर्गी फार्म में काम करते हैं। अन्नू की मौसी बिलखरिया स्थित छावनी पठार में रहती है। उसकी मौसेरी बहन भी हमउम्र होने के कारण दोनों के बीच दोस्ती है। घटना के कारण का खुलासा नहीं, छुट्टियां होने के कारण अन्नू अपनी मौसी के घर आई हुई थी। शुक्रवार की शाम को उसने घर में फांसी लगा ली। परिजन की नजर पड़ी तो उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसके पास एक मोबाइल फोन था, जिसकी जांच की जा रहीं है। फांसी पर लटकी मिली महिला की लाश इसी इलाके में रहने वाली एक महिला ने भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार निशा बी (32) हथाईखेड़ा इलाके में रहती थी और गृहणी थी। उसका पति फेब्रिकेशन का काम करता है। करीब चौदह साल पहले दोनों की शादी हुई थी, जिनसे तीन बच्चे हैं। शुक्रवार दोपहर के समय निशा बी ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में रजत विजेता रीना से डीजीपी की मुलाकात

भोपाल। डीजीपी कैलाश मकवाणा से वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में रजत पदक जीतने वाली आरक्षक रीना गुर्जर ने सौजन्य भेंट की। डीजीपी ने वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में कराते इवेंट दो रजक पदक प्राप्त कर देश, प्रदेश एवं मध्यप्रदेश पुलिस को गौरवान्वित करने पर आरक्षक रीना गुर्जर को हार्दिक बधाई दी उन्होंने कहा कि गुर्जर की यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पुलिस के अनुशासन, संकल्प और क्षमता का प्रतीक है। यह जीत केवल पदक नहीं, बल्कि हमारी संगठनात्मक ऊर्जा, महिला सशक्तिकरण और आत्मबल की वैश्विक पहचान है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पुलिस बल की आरक्षक रीना गुर्जर ने विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के अलबामा (विनीपेग) में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गैम्स 2025 में कराते एवं काता इवेंट में दो रजत पदक जीतकर भारत और मध्यप्रदेश पुलिस का गौरव अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया है। रीना गुर्जर इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने प्रदेश पुलिस के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

ट्रेनों में चारों व लुटेरों का आतंक

झेलम और जीटी एक्सप्रेस से दो यात्रियों के पर्स और बैग हुए चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। झेलम एक्सप्रेस में महिला यात्री का पर्स चोरी हो गया। पर्स में पांच हजार रुपए की नगदी सहित अन्य सामान था। इसी प्रकार एक अन्य वारदात जीटी एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्री के साथ हुई। अज्ञात चोर यात्री का पिट्ठु बैग चुराकर ले गया। बैग में उसकी दसवीं बारहवीं की अंकसूची सहित दो हजार रुपए का सामान था। पुलिस के अनुसार सुरेंद्र सक्सेना आगरा से पुणे की यात्रा पत्नी के साथ झेलम एक्सप्रेस से कर रहे थे। दंपती का रिजर्वेशन कोच ए-टू में बर्थ नंबर 1-2 पर था।

रात करीब डेढ़ बजे उनकी नींद खुली तो सीट पर रखा पत्नी का लेडिस पर्स नहीं था। उनके पर्स में 5 हजार रुपए की नगदी, डॉक्टर की दवाइयों का पर्चा और दवाइयां, अन्य दैनिक उपयोगी सामान रखा था, जो कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया। घटना के समय ट्रेन भोपाल स्टेशन से निकल रही थी।

इधर राजगढ़ जिला अलवर राजस्थान निवासी अनिल कुमार सैनी (32) ने शिकायत करते हुए बताया कि वे जीटी एक्स के कोच बी-टू में बर्थ नंबर 71 पर दिल्ली से चैन्नई की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान में अपनी सीट पर सो गए। स्टेशन भोपाल निकलने पर मेरी नींद खुली तो देखा बर्थ के नीचे रखा उनका पिट्ठू बैग नहीं था। कोई अज्ञात व्यक्ति सीट के नीचे से उठाकर चोरी कर ले गया। पिट्ठू बैग में 10वीं, 12वीं की मार्कशीट व सर्टिफिकेट बीएससी की मार्कसीट सहित अन्य दस्तावेज थे। इसके अलवा नगदी भी थी। बदमाश बैग सहित करीब दो हजार रुपए का माल चुराकर ले गया है।

रहस्यमय तरीके से लापता नाबालिग दो साल बाद जतारा से बरामद

भोपाल। खजूरी सड़क पुलिस ने दो साल पहले इलाके के कस्बे से रहस्यमय तरीके से लापता हुई किशोरी को सकुशल दस्तयाब (बरामद) किया है। पुलिस उक्त मामले में उस युवक को भी साथ लेकर आई है, जो उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। पुलिस किशोरी की काउंसलिंग करा रही है। काउंसलिंग के बाद युवक के खिलाफ अन्य धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने युवक के खिलाफ अपहरण और पाक्सो एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज करते हुए हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार 15 जुलाई को 70 साल की बुजुर्ग महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। परिचित युवक बहला फुसलाकर ले गया था साथ, नाबालिग की काउंसलिंग के बाद होगी कार्रवाई उन्होंने बताया कि उनकी 14 साल की नातिन उनके साथ रहती थी। जो कभी अपनी मां के घर कभी अपनी बुआ के घर आती जाती रहती थी। पिता और मां अलग अलग रहते हैं। मां ने दूसरी शादी कर ली है। 15 जुलाई की शाम बुजुर्ग काम पर गई थी। शाम को घर लौटी तो बच्ची उन्हें नहीं मिली। रिश्तेदारी में तलाश करने और मां सहित बुआ से पूछताछ करने पर भी बच्ची का सुराग नहीं लगा। लिहाजा उन्होंने पुलिस से मदद मांगी। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अपहरण की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था।

बिजली कंपनी के मुख्य दफ्तर शनिवार को भी खुलेंगे, ड्यूटी सिर्फ आउटसोर्स करेंगे

बिजली वितरण ने जारी किया फरमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के मुख्य दफ्तर अब आज से शनिवार को भी खुलेगे। इस दिन सभी अधिकारी, कर्मचारी काम पर नहीं आएंगे, केवल आउटसोर्स कर्मियों को ही आना होगा और काम भी करना होगा। यह फरमान कंपनी के एचआर विभाग ने शुक्रवार जारी किया है, शनिवार सुबह से यह प्रभावी भी हो गया है।

दरअसल मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी के एचआर विभाग ने श्रम कानूनों का हवाला देते हुए आउटसोर्स कर्मियों को 6 दिन काम करने की हिदायत दी है और कहा है कि एक दिन अवकाश मिलेगा। शिफ्ट के आधार पर अधिकारी अवकाश के दिन में बदलाव भी कर सकेंगे।

बताया जाता है कि बिजली कंपनी के इस फरमान से 2100 आउटसोर्स की-पंच आपरेटर प्रभावित होंगे। ये बिजली कंपनियों के कार्यालयों में कम्प्यूटर ऑपरेटर का काम करते हैं, जिन्हें पूर्व में नियमित कर्मचारियों की तरह शनिवार और रविवार दो दिन का अवकाश मिलता था।

आगे नियमित कर्मचारियों को दो दिन का ही अवकाश मिलेगा लेकिन आउटसोर्स को काम करना होगा। आउटसोर्स बिजली अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश संयोजक मनोज भार्गव का तर्क दिया है कि सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के तहत प्रदेश भर के दफ्तर शनिवार को बंद रहते हैं। बिजली कंपनी के एमडी कार्यालय से लेकर डिविजन और सर्किल कार्यालय भी बंद रहते हैं। ऐसे में केवल आउटसोर्स की-पंच ऑपरेटरों को काम पर बुलाना भेदभाव है, क्योंकि कंपनी ने नियमित सेवा के तहत काम करने वाले बिजली कर्मियों को शनिवार कार्यालय नहीं बुलाया है।

पहले किया था आउटसोर्स कर्मियों का तबादला

पूर्व में भी कर्मचारी मध्य क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी द्वारा जारों आउटसोर्स कर्मियों का 50 से 100 किलोमीटर दूर तबादला करने के मामले में घेर चुके हैं। वहीं पूर्व व पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी ने न तो आउटसोर्स कर्मियों के तबादले किए और न ही आउटसोर्स कर्मियों के अवकाश को लेकर कोई पत्र जारी किया।

आरजीपीवी में फैकल्टी की मनमानी के खिलाफ हुआ विरोध प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस विभाग में गंभीर अनुशासनहीनता, महिला गेस्ट फैकल्टी के साथ अभद्र व्यवहार, मानसिक उत्पीड़न, और छात्रों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रदर्शन किया गया।इसके साथ ही कुलपति और कार्यपरिषद को ज्ञापन सौंपे गए।

अभाविप ने कुलगुरु को दिए ज्ञापन में विभाग के प्राध्यापक उदय चौरसिया एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष अहिरवार के विरुद्ध अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

वहीं कार्यपरिषद सदस्यों को गुलाब का फूल भेंट कर सौंपा गया।?इसके साथ्ा ही विभाग में बीते वर्षों से चल रही अंदरूनी गुटबाजी, पक्षपात, और महिला फैकल्टी के उत्पीड़न की विस्तृत जानकारी दी गई।

ज्ञापन में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि डॉ. मनीष अहिरवार ने विश्वविद्यालय परिसर में हथियार लहराकर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को धमकाया, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत गंभीर विषय है।

अभाविप ने यह बताया कि पूर्व में भी प्राध्यापक उदय चौरसिया एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष अहिरवार पर दर्ज किए गए प्रकरण में कोई करवाई नहीं की गई।

मेट्रो एंकर अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया तैयारियों का ब्यौरा

सिंहस्थ महाकुंभ 2028 की तैयारी, डीजीपी ने की समीक्षा

सिंहस्थ के लिये प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था से ली प्रेरणा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें सभी वरिष्ठ अफसर समते पुलिस आयुक्त भोपाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल उपस्थित रहे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एडीजी उज्जैन जोन, पुलिस आयुक्त इंदौर, आईजी व डीआईजी इंदौर डीआईजी उज्जैन रेंज और उज्जैन, खंडवा खरगौन, देवास, शाजापुर, धार, रतलाम, सीहोर एवं आगर-मालवा के पुलिस अधीक्षक बैठक से वर्चुअल रूप से जुड़े।

भीड़ प्रबंधन पर चर्चा

करोड़ों श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए रूट प्लानिंग, पार्किंग जोन, अलग-अलग घाटों पर प्रवेश-निकासी मार्ग तैयार किए गए। घाट क्षेत्रों पर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सहायता और भीड़ नियंत्रण हेतु अतिरिक्त बल की व्यवस्था भी की जाएगी। क्यू सिस्टम, डिजिटल साइनबोर्ड्स एवं वालंटियर सहायता केंद्र बनाए जाएंगे।

संवेदनशील क्षेत्रों पर ड्रोन कैमरों की तैनाती की जाएगी। हाई रिजॉल्यूशन वाले एआई सक्षम सीसीटीवी कैमरे सभी प्रमुख मार्गों, स्नान घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। रीयल टाइम निगरानी हेतु फील्ड कम्युनिकेशन यूनिट एवं इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम (आईसीआर) स्थापित किया जाएगा। पुलिस नेटवर्क को मजबूत करने हेतु वायरलेस और मोबाइल कंट्रोल यूनिट्स सक्रिय रहेंगी। डिजिटल माध्यमों से अफवाह फैलाने या ऑनलाइन ठगी की कोशिशों पर नियंत्रण के लिए साइबर मॉनिटरिंग यूनिट कार्यरत रहेगी।

अवैध रूप से सड़क किनारे खड़े 45 वाहनों को हटाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वाहन मालिकों के खिलाफ नगर निगम एक्ट और मोटर वीकल एक्ट की कार्रवाई

राजधानी में सार्वजनिक स्थानों खड़े कंडम एवं लावारिश वाहनों को क्रेन की मदद से हटाया गया। वाहन मालिकों के खिलाफ नगर निगम एक्ट और मोटर वीकल एक्ट की कार्रवाई की गई है। दरअसल, इन वाहनों से यातायात बाधित हो रहा था। साथ ही दुर्घटनाए भी हो रही थी। जिला प्रशासन, नगर निगम और भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार को ऐसे वाहन जो लंबे समय से सड़क किनारे सार्वजनिक स्थान पर लावारिश खड़े हैं उन्हें क्रेन की मदद से हटा दिया। यह कार्रवाई जहांगीराबाद क्षेत्र में आम रोड की गई। सभी वाहनों को टीटी नगर दशहरा मैदान पर नगर निगम पार्किंग में रखा गया है। कार्यवाही के दौरान जब्त किए गए वाहनों के स्वामी अपने वाहन के वैध दस्तावेज देकर तीन दिन के अंदर निर्धारित समन शुल्क जमा कर छुड़ा सकते हैं। नगर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए उक्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारतसंघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियन्ता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती हैं, **निविदा सूचना क्रमांक** : डीआरएमडब्लू-जेबीपी-106-2025 दिनांक 07.07.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) सेक्शन के अंतर्गत बीना-कटनी सेक्शन पर यार्डों में सुधार के संबंध में सीटीआर-1.81 किमी. टीबीआर 22.975 किमी टीटीआर एफएस+, टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएस) 1/12-28 नग, 1/8.5-20 नग, टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+ डब्ल्यूसीएमएससी)1/12-13 नग, 1/8.5 -9 नग का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्य** : ₹ 5,19,37,867/-, **बयाना राशि रूपये** : ₹ 4,09,700/-, **समापन अवधि** : 12 माह, **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 01.08.25, **निविदा खुलने का समय 15:15 बजे तिथि** : 01.08.25, **नोट**- उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। (हस्ता.)

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022